वर्ष : 33 | अंक : 271 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, मंगलवार, 17 दिसंबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

कैबिनेट बनी फडणवीस सरकार की फांस

दरकने लगी महायुति की दीवार

- फडणवीस सरकार में मंत्री पद नहीं मिला तो खफा हुए नेता
- किसी ने दिया इस्तीफा तो कोई सत्र छोड़कर लौटा

छगन भुजबल ने जताई नाराजगी

एनसीपी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने सोमवार को नई महायुति सरकार में शामिल नहीं किए जाने पर निराशा व्यक्त की और कहा कि वह अपने चुनाव क्षेत्र के लोगों से बात करने के बाद भविष्य की राह तय करेंगे। भुजबल ने कहा कि वह नई कैबिनेट में शामिल नहीं किए जाने से नाखुश हैं। अपने भविष्य के कदम के बारे में पूछे जाने पर नासिक जिले के येओला निर्वाचन क्षेत्र के विधायक ने कहा, "मुझे देखने दीजिए। मुझे इस पर विचार करने दीजिए। मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से बात करूंगा और समता परिषद के साथ चर्चा करूंगा।"

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/नागपुर

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति सरकार की नैया धीरे-धीरे डगमगाने लगी है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि कैबिनेट विस्तार के बाद गठबंधन में विधायकों की नाराजगी खुलकर सामने आई है। सीएम पद और दो डिप्टी सीएम के शपथ लेने के 10 दिन बाद फडणवीस के कैबिनेट एक्सपेंशन में दस पूर्व मंत्रियों को जगह नहीं मिल पाई। सबसे अधिक मंत्री पद बीजेपी के विधायकों को मिले, जबकि उसके बाद एकनाथ शिंदे की शिवसेना और फिर अजित पवार की एनसीपी को अहमियत दी गई। इसी दौरान कैबिनेट में मंत्री ना बनाए जाने से शिवसेना और एनसीपी के विधायकों में गुस्सा देखा जा रहा है। पहले एकनाथ शिंदे गुट के विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने मंत्री पद ना मिलने से नाराजगी जताते हुए पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया और अब अजित पवार की एनसीपी के विधायक छगन भुजबल ने भी मोर्चा खोल दिया है। अभी सरकार का गठन हुआ ही था कि महायुति की दीवार जैसे दरकने लगी है। विधायकों की यह नाराजगी कहीं महायुति के गले की फांस ना बन जाए।

कैबिनेट विस्तार के बाद महायुति में रार

सूत्रों का कहना है कि मंत्री पद नहीं मिलने से राजेंद्र गावित, रवि राणा, दीपक केसरकर भी खफा हो गए हैं। इसका असर नागपुर में चल रहे शीतकालीन सत्र में भी देखने को मिल रहा है। बीजेपी नेता नवनीत राणा के विधायक पति राष्ट्रीय युवा स्वाभमान पार्टी के मुखिया रवि राणा सत्र छोड़कर नागपुर से अमरावती लौट आए। वहीं, रविवार शाम तानाजी सावंत भी अपना सामान लेकर नागपुर से पुणे चले आये। तानाजी सावंत भी आज सत्र से अनुपस्थित रहे। उनके कार्यालय ने बताया कि तानाजी सावंत पुणे लौट आए है, क्योंकि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था। बताया जा रहा है कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण डॉक्टर ने आराम की सलाह दी है।

पता नहीं मंत्रियों की लिस्ट से मेरा नाम क्यों हटाया गया- सुधीर मुनगंटीवार

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि एक दिन पहले उनका नाम शपथ लेने वाले मंत्रियों की लिस्ट में था लेकिन बाद में हटा दिया गया। इससे मेरे लिए परेशान होने की कोई वजह नहीं है क्योंकि पार्टी मुझे जो भी जिम्मेदारी सौंपती है, मैं उसे निभाता हूं। बात बस इतनी है कि मुझे बताया गया था कि मेरा नाम मंत्रियों की सूची में था। मुझे नहीं पता कि नाम क्यों हटाया गया। शीतकालीन सत्र के पहले दिन सुधीर मुनगंटीवार अनुपस्थित रहे।

संघर्ष मेरे नसीब में लिखा है

तीसरी बार विधायक चुने गए मुंबई के प्रकाश सुर्वे भी नाराज हैं। विधायक प्रकाश सुर्वे ने कहा कि शिवसेना में बगावत के समय एकनाथ शिंदे के साथ जाने वाला मुंबई का पहला विधायक था। मेरे घर पर हमला हुआ। उन्होंने मेरी काफी बदनामी की। फिर भी मैं अच्छे वोटों से विजयी हुआ हूं। मैं एक सामान्य गृहस्थ हूं। संघर्ष करके यहां तक पहुंचा हूं। मैंने काम करके पढ़ाई पूरी की है। संघर्ष ने मेरी किस्मत में लिखा है। एकनाथ शिंदे ने मुझे मंत्री बनाने के लिए सोचा जरूर होगा, लेकिन कई लोग इच्छुक थे। उनमें से कुछ मौजूदा तो कुछ पूर्व मंत्री थे। तो कुछ रसूखदारों के बच्चे थे। जबकि मैं एक साधारण गरीब परिवार से हूं।

कार्यकर्ता गुलाम नहीं हैं : शिवतारे

शिवसेना नेता विजय शिवतारे ने कहा कि हमारे साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया गया। मंत्री पद नहीं मिलने से नाराजगी 100 फीसदी है। अब ढाई साल बाद अगर मुझे मंत्री बनाया गया तो भी नहीं लूंगा। उन्होंने कहा, मुझे मंत्री पद की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि यह अधिक महत्वपूर्ण है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र का काम मुख्यमंत्री द्वारा किया जाए। मैं मंत्री नहीं बनाये जाने पर नाराज नहीं हूं। लेकिन इस व्यवहार को लेकर काफी गुस्सा है।

देवेंद्र फडणवीस सरकार ने रखी 35,788.40 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगे

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

महायुति की सरकार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली लाडली बहना योजना के लिए सरकार 1400 करोड़ रुपये का प्रावधान अनुपूरक मांगों के तहत किया है। इससे माना जा रहा है कि सरकार जल्द ही लाडली बहनों को पैसा देगी, लेकिन सरकार 1500 रुपये से बढ़ाकर 2100 देगी, यह अब तक तय नहीं है। संतरा नगरी नागपुर में सोमवार को महाराष्ट्र विधान मंडल का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ। पहले ही दिन कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने 35,788.40 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगें दोनों सदनों में रखी। इस पर दो दिन चर्चा होगी।

1400 करोड़ रुपये लाडली बहना योजना के लिए

पूरक मांगों में 1400 करोड़ रुपये लाडली बहना योजना के लिए रखा गया है। हालिया विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार ने लाडली बहना योजना की रकम 1500 से बढ़ाकर 2100 रुपये मासिक करने का ऐलान किया था। अब राज्य में उनकी सरकार की वापसी हो गई है। ऐसे में सरकार ने 1,400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

योजना के लिए अनुपूरक मांगे

- छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के लिए 36 करोड़ रुपये
- लोक निर्माण विभाग को 7,490 करोड़ रुपये
- उद्योग, ऊर्जा तथा श्रम विभाग को 4,112 करोड़ रुपये
- शहरी विकास को 2,774 करोड़ रुपये
- ग्रामीण विकास को 2,007 करोड़ रुपये
- आदिवासी विकास विभाग को 1,830 करोड़ रुपये
- महिला व बाल विकास विभाग के लिए 2,155 करोड़ रुपये का

हंगामेदार रहा पहला दिन

शीतसत्र के पहले दिन विपक्ष ने किया हंगामा

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

महाराष्ट्र में शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन हंगामे के साथ सत्र की शुरुआत हुई, जहां विपक्ष ने कई मुद्दों को लेकर शुरू में ही हंगामे कर सत्र की कार्यवाही को रोकने की कोशिश की और हंगामा मचाया और विधान भवन के बाहर प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के सदस्यों ने सोमवार को यहां महाराष्ट्र विधान भवन की सीढ़ियों पर प्रदर्शन किया और चुनावों में ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) के इस्तेमाल के विरोध में नारे लगाए। प्रदर्शन नागपुर में राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन आयोजित किया गया। राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) के नेताओं के प्रदर्शन का नेतृत्व किया। एमवीए के नेताओं ने संविधान और लोकतंत्र को बचाने का आह्वान किया तथा ईवीएम के इस्तेमाल का विरोध किया।

परभणी हिंसा पर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने

शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधान भवन में कई मुद्दों पर चर्चाएं की गई। इन मुद्दों में हाल ही में राज्य के परभणी में भड़की हिंसा और सरपंच की हत्या का मामला भी शामिल है। इसमें विपक्ष ने पक्ष से विधानसभा में चर्चा करने के लिए कहा, जिसके लिए देवेंद्र फडणवीस ने हामी भरी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि वह हाल ही में परभणी में हुई हिंसा और बीड में एक सरपंच की हत्या के मुद्दे पर राज्य विधानसभा में चर्चा के लिए तैयार हैं। राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन निचले सदन में फडणवीस ने दोनों घटनाओं को गंभीर बताया।

विधान भवन के बाहर की नारेबाजी

उन्होंने 'ईवीएम हटाओ देश बचाओ', 'ईवीएम हटाओ संविधान बचाओ' और 'ईवीएम हटाओ लोकतंत्र बचाओ'जैसे नारे लगाए। दानवे के साथ कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार, नितिन राउत, भाई जगताप और विकास ठाकरे, शिवसेना (यूबीटी) नेता भास्कर जाधव, वरुण देसाई और सचिन अहीर और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) (राकांपा-एसपी) के विधायक जितेंद्र अवध भी शामिल हुए।

आठ विधेयक पेश

फडणवीस ने सदन में नए मंत्रियों का परिचय भी कराया। सत्र के पहले दिन, सरकार ने आठ विधेयक पुन: पेश किए, जिनमें से एक कुछ जिला परिषदों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अध्यक्ष तथा कुछ पंचायत समितियों के उपाध्यक्ष के पदों पर चुनाव स्थगित करने के लिए संशोधन था।

10,773 हाउसिंग परियोजनाओं को महारेरा का नोटिस

दीपक पवार | मुंबई

महारेरा ने राज्य के 10,773 से अधिक हाउसिंग प्रोजेक्ट को कारण बताओ नोटिस भेजा है। जिन हाउसिंग प्रोजेक्ट को महारेरा ने नोटिस भेजा है उन परियोजनाओं का पंजीकरण होने के बाद से भवन निर्माताओं ने रेरा को अब तक प्रोजेक्ट से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी है। महारेरा ने बिल्डरों को चेताया है कि 30 दिन के अंदर यदि नोटिस का जवाब नहीं दिया गया तो परियोजना का रजिस्ट्रेशन रद्द हो सकता है साथ ही भवन निर्माताओं पर दंडात्मक कारवाई भी हो सकती है।

नोटिस जारी करने का कारण

महारेरा पंजीकरण संख्या के लिए आवेदन करते समय निर्माताओं (डेवलपर) को अपनी परियोजना के पूरा होने कीतिथि घोषित करनी होती है। यदि परियोजना घोषित तिथि पर पूरी नहीं होती है तो बिल्डर को परियोजना अधिभोग प्रमाणपत्र के साथ फॉर्म 4 जमा करना होता है। परियोजना पूरी नहीं हुई है तो प्रोजेक्ट रिन्यू करने के लिए देना होता है या फिर प्रोजेक्ट पूरा करने में कोई अड़चन आ रही है तो प्रोजेक्ट को रद्द करने के लिए अर्जी देना होता है। जिन रियल एस्टेट परियोजनाओं को नोटिस भेजा गया है उन भवन निर्माताओं ने महारेरा के नियम और शर्तों का पालन नहीं किया है।

किस शहर की परियोजनाओं को नोटिस

- मुंबई एमएमआर 5,231
- पुणे क्षेत्र 3406
- नासिक 815
- नागपुर 548
- संभाजीनगर 511
- अमरावती 201
- दादरा और नगर हवेली 43
- दमन दीव 18

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का झारखंड कनेक्शन

झारखंड के चंपाटोली गांव में शुभम लोनकर ने किया था एके 57 से फायरिंग का अभ्यास

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में वांछित आरोपी व मुख्य साज़िशकर्ता शुभम लोनकर को लेकर एक बड़ा खुलासा सामने आया है। मुंबई क्राइम ने अपनी जांच के दौरान उस जगह को ढूंढ निकाला है, जहां शुभम ने फायरिंग का अभ्यास किया था।

मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक, शुभम लोनकर ने झारखण्ड के चंपाटोली गांव के पास मौजूद माइंस और पहाड़ी क्षेत्र के इलाके में खतरनाक व अत्याधुनिक एके 57 से फायरिंग का अभ्यास किया था। इस दौरान शुभम ने फायरिंग का अभ्यास किया था, जबकि रुपेश मोहोल और गौरव अपुने ने उसको सिर्फ हैंडल करना सीखा था। इसका खुलासा आरोपी मोहोल और अपुने ने पूछताछ में भी किया है।

सस्ती सब्जियों ने घटा दी थोक महंगाई!

नवंबर में गिरकर 1.89 फीसदी पहुंची

एजेंसी | नई दिल्ली

नवंबर महीने में थोक महंगाई घटकर 1.89% पर आ गई है। इससे पहले अक्टूबर में थोक महंगाई 2.36% पर थी। सितंबर महीने में थोक महंगाई 1.84% पर थी। सब्जियों और खाने-पीने के चीजों के दाम घटने से महंगाई घटी है।

खाने-पीने की चीजें और प्राइमरी आर्टिकल्स की कीमतें घटी

• रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 8.09% से घटकर 5.49% हो गई। • खाने-पीने की चीजों की महंगाई 11.59% से घटकर 8.92% हो गई। • फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -5.79% से घटकर -5.83% रही। • मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.50% से बढ़कर 2.00% रही।

पानसरे हत्याकांड

जांच की निगरानी के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुरक्षित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2015 के गोविंद पानसरे हत्या की जांच की निगरानी के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा है। पिछले दिनों अदालत ने कहा था कि इस मामले में अब और जांच की जरूरत नहीं है। जबकि मामले की जांच कर रहे आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने कहा कि उसने मामले की गहन जांच की है। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ समक्ष सनातन संस्था के डा.विरेंद्र सिंह तावडे की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान पानसरे परिवार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आनंद ग्रोवर ने दलील दी कि गोविंद पानसरे, नरेंद्र दाभोलकर, गौरी लंकेश और कलपुर्गी की हत्या के तार एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। चारो मामलों में साजिश करता और हत्यारे एक हो सकते हैं, क्योंकि उनकी मोड्स ऑपरेंडी एक ही है। पानसरे की हत्या में दो आरोपी अभी भी फरार हैं। ऐसे में हाई कोर्ट की निगरानी में ही मामले की आगे की जांच की जानी चाहिए। जबकि याचिकाकर्ता के वकील सुभाष झा ने दलील दी कि इस मामले में निगरानी की अनावश्यक नहीं है, क्योंकि मुकदमा पहले से ही चल रहा है। सरकारी वकील ने कहा कि एटीएस मामले की जांच कर रही है। 28 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। दो फरार आरोपियों की खोजबीन की जा रही है। पीठ ने सरकारी वकील समेत दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रखा है।

नहीं रहे गायक पंडित संजय राम मराठे

दिल का दौरा पड़ने से निधन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

शास्त्रीय गायक और हारमोनियम वादर पंडित संजय राम मराठे नहीं रहे। 68 वर्ष की आयु में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। सामने आई जानकारी के मुताबिक दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हुआ है। संजय राम मराठे, संगीत भूषण पंडित राम मराठे के बड़े पुत्र थे। पंडित संजय राम मराठे का का निधन महाराष्ट्र के ठाणे शहर के एक अस्पताल में हुआ। उनके परिवार ने सोमवार को यह जानकारी दी। उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि संजय राम मराठे को दिल का गंभीर दौरा पड़ा। इसके बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मगर, उन्हें बचाया नहीं जा सका और रविवार रात को उनका निधन हो गया।

छोड़ गए संगीत की समृद्ध विरासत

पंडित संजय मराठे अपने पीछे भारतीय शास्त्रीय संगीत और रंगमंच की एक समृद्धा विरासत छोड़ गए हैं। हारमोनियम वादन और अपनी गायिकी के लिए उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान मिले। उन्होंने इस वर्ष अपने पिता की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। अपने छोटे भाई मुकुंद मराठे के सहयोग से पंडित संजय मराठे ने अपने पिता की शताब्दी के अवसर पर प्रसिद्ध मराठी संगीत नाटक 'संगीत मंदारमाला' को पुनर्जीवित किया और उसका मंचन किया। उनके इस कार्य को खूब सराहना मिली। पंडित संजय मराठे के परिवार में उनकी पत्नी, बेटा और पोती हैं।

नालासोपारा में यात्रियों की परेशानी भरा सफर

रिक्शा चालकों की ओवरलोडिंग यात्रियों की जान पर भारी

आशु विश्वकर्मा | वसई

वसई, विरार और नालासोपारा स्टेशन रोड से मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय महामार्ग तक आज भी रिक्शा चालक क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाकर उनकी जान खतरे में डाल रहे हैं। यात्री, रिक्शा चालकों की मनमानी के कारण जोखिम उठाकर सफर करने को मजबूर हैं। हैरानी की बात यह है कि पुलिस स्टेशन के पास से गुजरने के बावजूद रिक्शा चालक 5-6 यात्रियों को ओवरलोड करके ले जाते हैं, लेकिन उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। इस वजह से क्षेत्र में ओवरलोडिंग का यह सिलसिला लगातार जारी है। समाजसेवक शंभु गुप्ता का कहना है कि रिक्शा में 5-6 सवारियां बैठाने से हादसे की स्थिति में कई लोगों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

लंबे समय से जारी मनमानी

वसई-विरार शहर में रिक्शा चालकों की मनमानी लंबे समय से जारी है। यात्री अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। वहीं, रिक्शा चालक यात्रियों से मनमाना किराया वसूलते हैं। नालासोपारा स्टेशन से राष्ट्रीय महामार्ग, अलकापुरी, अचोले रोड, सेन्ट्रल पार्क, नगीनदास पाड़ा, मोरेगांव और वसई पूर्व के वालीव, सातिवाली, वसई फाटा जैसे क्षेत्रों में भी यह समस्या बरकरार है। यहां रिक्शा चालक 5-6 यात्रियों को ठूंसकर ले जाते हैं।

कार्रवाई के नाम पर औपचारिकता

शिकायतों के बावजूद यातायात पुलिस केवल औपचारिक कार्रवाई कर रिक्शा चालकों को छोड़ देती है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश भी छोटे पुलिसकर्मी अनदेखा कर देते हैं। हाल ही में ट्रैफिक पुलिस ने ओवरलोडिंग के मामलों में जुर्माना वसूला है। 2019 से अब तक यातायात नियमों के उल्लंघन पर 1 लाख से ज्यादा लोगों से करोड़ों रुपये जुर्माने के रूप में वसूले गए हैं। इसके बावजूद रिक्शा चालकों की ओवरलोडिंग जारी है।

स्थानीय नागरिकों की राय

रिक्शा चालकों की रात की मनमानी: रात में ड्यूटी के बाद घर लौटने वाले यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। रिक्शा चालक मनमाना किराया वसूलते हैं और ओवरलोडिंग करते हैं।
–चंदन राजकुमार विश्वकर्मा, नालासोपारा

लटककर सफर करने की मजबूरी: बस सेवा बंद होने पर हमें रिक्शा चालक के बगल में बैठना पड़ता है। न बैठने पर घंटों इंतजार करना पड़ता है। जान जोखिम में डालकर सफर करना हमारी मजबूरी है।
– बच्चालाल कन्नौजिया, नालासोपारा

ट्रैफिक पुलिस का बयान: रिक्शा चालकों पर अधिक प्रवासी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। तीन से ज्यादा यात्रियों को बैठाने वाले चालकों पर कार्रवाई जारी रहेगी।
– विनोद जाधव, सहायक पुलिस निरीक्षक, यातायात विभाग

नाबालिग स्कूली छात्रा का अपहरण

जालना से छात्रा और अपहरणकर्ता गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी शहर के पास कटाई ग्राम पंचायत क्षेत्र से एक नाबालिग स्कूली छात्रा के अपहरण के मामले में भिवंडी क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अपहरणकर्ता को जालना से गिरफ्तार कर छात्रा को मुक्त कराया है। पुलिस के अनुसार, 8 दिसंबर को 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली 16 साल 10 महीने की छात्रा स्कूल से घर नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने निजामपुर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। चूंकि लड़की नाबालिग थी, पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। समानांतर रूप से भिवंडी क्राइम ब्रांच भी मामले की छानबीन कर रही थी।

लड़की के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस

परिजनों से मिली जानकारी और तकनीकी जांच के आधार पर भिवंडी क्राइम ब्रांच के सहायक पुलिस निरीक्षक धनराज केदार के नेतृत्व में टीम ने लड़की के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की। लोकेशन के आधार पर पता चला कि अपहरणकर्ता छात्रा को लेकर छत्रपति संभाजीनगर की ओर जा रहा था। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम सक्रिय हुई और जालना रेलवे स्टेशन पर छात्रा और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया।

मामला दर्ज, जांच जारी

भिवंडी क्राइम ब्रांच की टीम ने दोनों को भिवंडी लाकर निजामपुर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अपहरणकर्ता के खिलाफ अपहरण, बलात्कार, और पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

मां की डांट से निराश होकर घर से निकली लकड़ी

9 दिन बाद नाले में मिली मृत

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे से एक दुखदायक घटना सामने आ रही है। इस घटना में नदी में एक 15 साल की लड़की का शव मिला है। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में इस महीने की शुरुआत में अपनी मां की डांट से निराश होकर घर से निकली थी औ फिर लड़की नौ दिनों बाद एक नाले में मृत पाई गई। इस बात की जानकारी स्थानीय पुलिस ने दी। उसने बताया कि मोबाइल फोन पर बहुत अधिक समय बिताने के कारण लड़की की मां ने उसे डांटा था जिसके कारण वह घर छोड़कर चली गई थी। पुलिस के मुताबिक लड़की अपने परिवार के साथ यहां डोंबिवली इलाके में रहती थी।

गुस्से से निकली थी घर से

पुलिस के अनुसार 15 साल की बच्ची की मां ने पांच दिसंबर को उसे मोबाइल फोन पर ज्यादा समय नहीं बिताने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने को कहा था। विष्णु नगर थाने के अधिकारी ने बताया कि बाद में लड़की गुस्से में घर से निकल गई। परिवार के सदस्यों ने उसे ढूंढने की कोशिश की लेकिन उसका पता नहीं लग पाया है। अगले दिन उसे नहीं ढूंढ पाने पर उसके परिवार के सदस्यों ने अगले दिन स्थानीय पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने इसके बाद अपहरण के आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज की।

दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज

अधिकारी के अनुसार, पुलिस को यह भी सूचना मिली थी कि पांच दिसंबर को एक लड़की डोंबिवली के मोटागांव पुल से खाड़ी में कूद गई थी। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर को एक शव नाले में मिला और उसके परिवार के सदस्यों ने उसकी पहचान की। पुलिस ने बताया कि शव को बाद में पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया और दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि लड़की की मौत की जांच की जा रही है।

भिवंडी मनपा ने अनाधिकृत निर्माण पर की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी-निजामपुर शहर मनपा प्रशासन ने अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए कार्रवाई की। मनपा आयुक्त एवं प्रशासक अजय वैद्य, अपर आयुक्त विठ्ठल डाके और अधिकारी रोहिदास दोरकुलकर के निर्देश पर, मौजे नवीन कनेरी क्रमांक 30/ए स्थित भवन संख्या 604/2, शास्त्री नगर में चौथी मंजिल पर बनाई जा रही 5वीं मंजिल के स्लैब को तोड़ने का निर्णय लिया गया।

कानूनी प्रक्रिया पूरी

निर्माणकर्ता मोहम्मद शफीक अहमद खान के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया पूरी कर संबंधित पुलिस स्टेशन को पत्र भेजा गया था। इसके बाद, 12 दिसंबर 2024 को भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन से पुलिस सुरक्षा के तहत प्रभाग समिति क्रमांक 3 के सहायक आयुक्त सुरेंद्र भोईर और बीट इंस्पेक्टर सूरज गायकवाड़ के मार्गदर्शन में नारायण पाटिल, इंद्रपाल जाधव, जयेश जाधव और गणेश पवार ने अतिक्रमण विभाग के कर्मचारियों की मदद से यह कार्रवाई पूरी की। पुलिस बंदोबस्त के साथ मकान संख्या 604/2 की 5वीं मंजिल के स्लैब को तोड़ा गया।

परभणी हिंसा के विरोध में बंद को मिली आंशिक सफलता

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

परभणी हिंसा के विरोध में आरपीआई (अठावले गुट) ने उल्हासनगर शहर में बंद का आह्वान किया, जिसे नागरिकों और व्यापारियों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। बंद के दौरान कुछ स्थानों पर व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं, जबकि कई जगहों पर व्यापार सामान्य दिनों की तरह चलता रहा।

सड़कों पर सक्रिय रहे आरपीआई अठावले गुट के कार्यकर्ता

बंद को सफल बनाने के लिए आरपीआई अठावले गुट के कार्यकर्ता सुबह से ही सड़कों पर सक्रिय रहे। उन्होंने चोपड़ा कोर्ट क्षेत्र, शाहद फाटक चौक और नेहरू चौक जैसे प्रमुख व्यावसायिक इलाकों में व्यापारियों से बंद का पालन करने का आग्रह किया। कई दुकानदारों ने बंद का समर्थन करते हुए अपनी दुकानें दोपहर तक बंद रखीं, लेकिन कुछ व्यापारियों ने कारोबार जारी रखते हुए बंद का समर्थन नहीं किया।

सख्त कार्रवाई की मांग

आरपीआई अठावले गुट के जिला अध्यक्ष नाना बागुल ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा, हम परभणी में हुई हिंसा की कड़ी निंदा करते हैं और सरकार से ऐसी घटनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं।

तहसील और पुलिस उपायुक्त को सौंपा गया निवेदन

बंद के दौरान आरपीआई अठावले गुट ने तहसील और पुलिस उपायुक्त कार्यालय को निवेदन सौंपा। निवेदन में परभणी हिंसा की गहन जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई। बंद के दौरान शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। हालांकि, बंद के चलते दैनिक यातायात और अन्य सेवाएं सामान्य रहीं। नागरिकों और व्यापारियों के बीच इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है।

परभणी हिंसा

आंबेडकर संस्था ने किया जोरदार आंदोलन

पुलिस की हिरासत में भीमसैनिक की संदिग्ध मौत

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

परभणी में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की मूर्ति पर पथराव व संविधान के क्षतिग्रस्त होने को लेकर आंदोलन करने वाले सोमनाथ सुर्यवंशी नामक नवयुवक का पुलिस के हिरासत में संदिग्ध मौत को लेकर आंबेडकरवादी संस्था की ओर से जिलाधिकारी कार्यालय से लेकर तहसील कार्यालय तक निषेधार्थ रैली निकाली।परभणी में एक सामाजिक कार्यकर्ता ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के मूर्ति पर पथराव किया और संविधान के प्रकृति को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस विषय को लेकर सोमनाथ सुर्यवंशी ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ में आंदोलन के दौरान पुलिस के हिरासत में मौत हो गई।

मेफेड्रोन और कफ सिरप के साथ 2 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जिले में नारकोटिक्स सेल को बड़ी सफलता मिली है। जिले में एंटी नारकोटिक्स सेल के अलग-अलग अभियानों में दो लोगों को मेफेड्रोन और प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ गिरफ्तार किया गया है। इस बात की जानकारी एक न्यूज एजेंसी को एक अधिकारी ने दी। मामले के संबंध में जानकारी देते हुए ठाणे शहर के पुलिस पीआरओ शैलेश साल्वी ने बताया कि 11 दिसंबर को एएनसी की टीम ने मुंब्रा के खरदी-दिवा रोड पर मोहम्मद अब्दुल रहमान सैय्यद को 60 ग्राम मेफेड्रोन के साथ पकड़ा, जिसकी कीमत 7.43 लाख रूपए थी। अधिकारी ने बताया कि शिल-दैघर पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने बताया कि नवाज पावले को 3.63 लाख रूपए कीमत की कफ सिरप की 720 बोतलों के साथ दैघर से गिरफ्तार किया गया और उसके खिलाफ भी नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के साथ-साथ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पति को छुड़ाने के लिए मां ने एक महीने की बच्ची को 1 लाख रुपये में बेचा

पुलिस ने किया रेस्क्यू

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

माटुंगा पुलिस ने महज चार दिनों में एक त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बच्ची को सफलतापूर्वक बचाया, जिसे उसकी मां ने 1 लाख रूपए में बेचा था। जांच में एक महिला मानव तस्करी नेटवर्क का भी पता चला, जिसे नौ लोग मिलकर चला रहे थे। यह मामला चार दिन पहले तब प्रकाश में आया, जब पुलिस को एक महिला द्वारा अपनी एक महीने की बेटी को कथित तौर पर 1 लाख रूपए में बेचने की सूचना मिली। अधिकारियों के अनुसार, दंपति बच्ची के साथ दादर के तिलक ब्रिज के नीचे झुग्गियों में रहते थे।

पति की जमानत के लिए चाहिए थे पैसे

जांच से जुड़े एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'पति को एक छोटे से अपराध के लिए गिरफ्तार किए जाने के बाद, परिवार को उसकी नकद जमानत की व्यवस्था करने के लिए पैसे की जरूरत थी। हताशा में मां ने बच्ची को बेचने का फैसला किया और खरीदार 1 लाख रूपए देने के लिए सहमत हो गया।' जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, पुलिस को अपराध में शामिल व्यक्तियों के एक व्यापक नेटवर्क का पता चला। इसकी शुरुआत मुंबई की एक महिला से हुई, जिसका काम महाराष्ट्र के कई हिस्सों में फैला हुआ था। इसमें सांगली, कोल्हापुर, गुजरात और कर्नाटक शामिल थे। इस गिरोह में इन क्षेत्रों में काम करने वाली कई महिलाएं शामिल थीं।

9 महिलाएं गिरफ्तार

जांच में अहम भूमिका निभाने वाली जोन 4 की पुलिस उपायुक्त रागसुधा आर ने मिड डे से कहा, 'बच्ची को कर्नाटक से बचाया गया था। हम गिरफ्तार की गई और अदालत द्वारा पुलिस हिरासत में भेजी गई 9 महिलाओं से पूछताछ करके आगे की जांच कर रहे हैं।' हालांकि, पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया कि नौ महिलाओं के पास कई राज्यों से तस्करी करके लाए गए बच्चों, किशोरों और वयस्कों की एक लंबी सूची है। सूत्रों के अनुसार कुछ मानव तस्करी गिरोहों के विपरीत, जो नि:संतान दंपतियों को बच्चे बेचते हैं, यह नेटवर्क कथित तौर पर पीड़ितों को वेश्यावृत्ति, भीख मांगने और अन्य शोषणकारी गतिविधियों में धकेलने में शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, इनमें लड़कियों को पालने के लिए तैयार नहीं होने वाले गरीब परिवार, विकलांग बच्चे और विवाहेतर संबंध से पैदा हुए बच्चे उनके निशाने में होते थे।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने किया 'पेंशन अदालत' का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा 16 दिसंबर, 2024 को वर्ष की दूसरी पेंशन अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। पेंशन अदालत में कई रेलवे पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स ने भाग लिया, जिनमें 38 पंजीकृत पेंशनर्स शिकायतों और 3 पेंशनर्स शिकायतों का निवारण किया गया। इस अवसर पर मुंबई सेंट्रल के मंडल रेल प्रबंधक नीरज वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक आरती सिंह परिहार और कार्मिक तथा लेखा विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

पेंशन अदालत पेंशनभोगियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण तंत्र: वर्मा

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंडल रेल प्रबंधक वर्मा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पेंशन अदालत पेंशनभोगियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण तंत्र है। श्री वर्मा ने आगे कहा कि हमारे पेंशनभोगी हमारी अमूल्य संपत्ति हैं और हमारा उद्देश्य उनकी शिकायतों का शीघ्र निवारण करना तथा उन्हें बेहतर सेवा प्रदान करना है। उन्होंने यह भी बताया कि कार्मिक एवं लेखा विभाग के समर्पित प्रयासों के कारण शिकायतों की संख्या में पहले की तुलना में काफी कमी आई है। श्री वर्मा ने आश्वासन दिया कि पेंशनभोगियों की समस्याओं का ध्यान रखा जाएगा तथा उन्हें पूर्ण सहायता प्रदान की जाएगी।

38 पंजीकृत मामलों में से 26 मामलों का समाधान

कार्यक्रम के दौरान पेंशनर्स की शिकायतों को सुना गया तथा उनकी गहन जांच कर उनका समाधान किया गया। उल्लेखनीय है कि कुल 38 पंजीकृत मामलों में से 26 मामलों का समाधान किया गया, जबकि शेष 12 मामलों का तत्काल समाधान किया गया।

भिवंडी में गोदाम पर अन्न औषधि विभाग की छापेमारी

1.85 करोड़ रूपए की नकली दवाएं जब्त

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

महाराष्ट्र के बीड जिले के सरकारी अस्पताल में नकली दवाओं की आपूर्ति के मामले में भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन के तहत स्थित मेसर्स एक्वाटिस बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड और मिरा रोड, ठाणे की मेसर्स काबीज जेनरिक हाउस कंपनी शामिल पाई गई। इस खुलासे के बाद बीड जिले में मामला दर्ज किया गया, जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। जांच में यह भी सामने आया कि यह नकली स्टॉक राज्य के 11 जिलों के सरकारी अस्पतालों में वितरित किया गया था।

एक्वाटिस बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम पर छापा

ठाणे अन्न औषधि विभाग की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए भिवंडी स्थित मेसर्स एक्वाटिस बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम पर छापा मारा। छापेमारी में 1.85 करोड़ रूपए मूल्य की अजीमसिम 500 टैबलेट और अन्य नकली दवाओं का बड़ा जखीरा जब्त किया गया। जांच में पता चला कि इन नकली दवाओं को असली निर्माता का नाम दिखाकर विभिन्न स्थानों पर बेचा गया था, जिससे जनता और मरीजों के साथ गंभीर धोखाधड़ी की गई।

अंतरराज्यीय है यह नेटवर्क

जानकारी के मुताबिक, नकली दवाओं का यह नेटवर्क अंतरराज्यीय है। ड्रग इंस्पेक्टर की शिकायत पर गोदाम मालिक मिहिर त्रिवेदी और विजय चौधरी के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह पता लगाने के लिए जांच कर रही है कि दवाओं का निर्माण कहां हुआ, और उनके लिए कच्चा माल व पैकिंग सामग्री कहां से लाई गई।

हाउसिंग सोसाइटी में मामूली बात पर विवाद

गुस्साए शख्स ने चेयरमैन को कार के बोनट पर घसीटा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिले में विवाद के बाद एक हाउसिंग सोसाइटी के चेयरमैन को कार की बोनट पर घसीटने की घटना सामने आई है। इससे चेयरमैन को चोटें भी आई हैं। पुलिस ने सोमवार को घटना की पुष्टि की है। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना शिलफाटा क्षेत्र के पाडले गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें धारा 281 (लापरवाह ड्राइविंग) और धारा 125(ए)(3) (ऐसा कृत्य जो जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालता हो) शामिल हैं। घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि सोसाइटी में एक बैठक चल रही थी। बैठक में पीड़ित, आरोपी और एक लिफ्ट ठेकेदार मौजूद थे। बैठक लिफ्ट खराबी को लेकर चल रही थी। आरोप है कि बैठक के दौरान आरोपी अचानक बैठक से उठकर चला गया और अपनी कार में बैठ गया। इस पर सोसाइटी के चेयरमैन ने उसे रोकने की कोशिश की। जब आरोपी ने कार को आगे बढ़ाया, तो चेयरमैन ने कार को रोकने की कोशिश की। इसके बाद भी कार चला रहे आरोपी ने गाड़ी नहीं रोकी और बोनट पर ही उन्हें कुछ दूरी तक घसीटा, जिसके बाद वह गिर गए और उन्हें चोटें आईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। घटना को लेकर पुलिस सोसाइटी के अन्य सदस्यों और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों ने पीड़ित के परिवार को भरोसा दिलाया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

BMC चुनाव अकेले लड़ेगी सपा

अबू आजमी के ऐलान पर शिवसेना UBT का पलटवार, कहा- 'इसलिए कहते हैं BJP की B टीम'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने मुंबई महानगर पालिका में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इसपर उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने अबू आजमी पर हमला बोला है। शिवसेना (युबीटी) के नेता और प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि इसलिए अबू आजमी को बीजेपी का B टीम कहते हैं। शिवसेना (युबीटी) इससे पहले भी सपा को बीजेपी का B टीम बता चुकी है जब अबू आजमी ने महाविकास आघाड़ी गठबंधन से हटने का ऐलान किया था।

"इसलिए अबू आजमी को बीजेपी का B टीम कहते है, क्योंकि वो बीजेपी को पीछे के दरवाजे से फायदा पहुंचाना चाहते है। **-आनंद दुबे,** शिवसेना (UBT) के नेता"

'सपा नफरत फैलाने वालों के साथ नहीं रह सकती'

महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और मानखुर्द शिवाजी नगर सीट से विधायक अबू आसिम आजमी ने ऐलान किया है कि मुंबई महानगर पालिका का जो चुनाव होगा, सपा अकेले लड़ेगी। उन्होंने अपने X पर एक पोस्ट में लिखा, 'समाजवादी पार्टी कभी भी नफरत फैलाने वालों के साथ नहीं रह सकती, मुंबई महानगरपालिका चुनाव सपा अकेले लड़ेगी।'

जीतेंगे खुद नहीं और हरवाने का काम करेंगे: दुबे

आनंद दुबे ने कहा कि, 'समाजवादी पार्टी के नेता अबू आदमी कह रहे हैं कि हम अकेले लड़ेंगे। अगर आपके पास ताकत है तो लड़ो अकेले, अकेले लड़ कर महाविकास आघाड़ी का वोट काटेंगे, जीतेंगे खुद नहीं और हरवाने का काम करेंगे। उनका चाल चरित्र चेहरा यह सबके सामने आ रहा है।' इसके साथ ही शिवसेना (युबीटी) ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से निवेदन की है कि अबू आजमी जैसे नेताओं पर अंकुश लगाना चाहिए। अबू आजमी जैसे नेताओं के ऊपर कार्रवाई करनी चाहिए। क्योंकि महाविकास आघाड़ी और इंडिया इंडिया गठबंधन पूरी तरह बीजेपी के सामने डटकर खड़ी है। उनको हारने की पूरी ताकत लगा रही है। ऐसे में अगर आप अकेले लड़ोगे तो लड़ो आपको लगता है कि आप कई सीटें जीत जाओगे।

अदाणी के खिलाफ याचिका दायर करने वाले को हाईकोर्ट से झटका

याचिकाकर्ता पर लगा जुर्माना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने अदाणी ग्रुप को बड़ी राहत दी है। महाराष्ट्र में बिजली ठेके के खिलाफ दायर याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया और इसे तथ्यहीन बताया है। साथ ही याचिकाकर्ता पर निराधार आरोप लगाने के लिए कोर्ट ने जुर्माना भी ठोका है। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को नवीकरणीय और तापीय बिजली आपूर्ति के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा अदाणी समूह को ठेका देने के खिलाफ दायर एक याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि इस याचिका के पीछे कोई आधार नहीं है।

'मौलिक अधिकार का उल्लंघन'

मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता श्रीराज नागेश्वर एपुरवार पर अस्पष्ट याचिका के लिए 50,000 रुपए की जुर्माना भी लगाई। एपुरवार ने आरोप लगाया था कि 6,600 मेगावाट नवीकरणीय और तापीय बिजली आपूर्ति के लिए अदाणी समूह को दिए गए ठेके से याचिकाकर्ता तक उचित दर पर उचित बिजली आपूर्ति के उसके मौलिक अधिकार का उल्लंघन होता है। याचिका में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जो वर्तमान में उपमुख्यमंत्री हैं, पर अदाणी समूह को ठेका देने के दौरान भ्रष्ट आचरण में शामिल होने का आरोप भी लगाया गया था।

दलीलों को स्वीकार करने से किया इनकार

पीठ ने हालांकि दलीलों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि 'हमारी राय में, निराधार और लापरवाही से भरे बयानों वाली ऐसी याचिकाएं दायर करने से कभी-कभी अच्छे इरादे से किये जाने वाले काम को भी नुकसान होने का जोखिम रहता है।'

याचिकाकर्ता पर लगाया जुर्माना

बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में अस्पष्ट और निराधार दावे किए गए थे कि ठेका देने में सरकारी अधिकारियों ने घोटाला किया। अदालत ने याचिकाकर्ता को जुर्माने के तौर पर महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में 50,000 रुपये जमा करने का निर्देश दिया।

बीजेपी में अब संगठन में बदलाव की बारी

प्रदेशाध्यक्ष और मुंबई अध्यक्ष दोनों बन गए मंत्री

मुंबई। बीजेपी में अब संगठन में बदलाव की बारी है। मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष आशीष शेलार और महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के सरकार में मंत्री बन जाने के बाद अब दोनों अध्यक्ष पदों पर नई नियुक्ति होनी है। आने वाले कुछ ही समय में मुंबई सहित प्रदेश भर में कई महानगरपालिकाओं एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव भी होने हैं, जिनके संचालन के लिए मुंबई बीजेपी और महाराष्ट्र बीजेपी दोनों के अध्यक्ष पदों पर केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि राजनीतिक रूप से क्षमतावान नेता की जरूरत मानी जा रही है। महाराष्ट्र में इस बार के विधानसभा चुनाव के बाद जो समीकरण बने हैं, उनके तहत माना यही जा रहा है कि मुंबई बीजेपी और महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष पद पर वही नेता होगा, जिसे संघ के साथ साथ फडणवीस का भी समर्थन होगा।

असली टारगेट अभी बाकी

बीजेपी के सूत्र बताते हैं कि पार्टी ने भले ही प्रदेश में विशाल बहुमत पाकर सरकार बना ली है, लेकिन उसका असली टारगेट अभी भी बाकी है। महानगरपालिकाओं तथा पंचायती राज संस्थाओं में बीजेपी अब अपना दबदबा बनाना चाहती है, जो आने वाले लंबे समय के लिए उसकी ताकत का आधार बढ़ाएगा। जानकार बताते हैं कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी को महाराष्ट्र में मिले निराशाजनक समर्थन से असंतुष्ट संघ के शीर्ष नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव से पहले जो होमवर्क कर रखा था, उसका एक पार्ट तो विधानसभा में दिख गया, लेकिन विस्तारित कार्य महानगरपालिकाओं व पंचायतों के चुनाव में दिखेगा।

पश्चिम रेलवे ने मनाया ऊर्जा संरक्षण सप्ताह

मुंबई। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस प्रतिवर्ष 14 दिसंबर को पूरे देश में मनाया जाता है। इसी के मद्देनजर पश्चिम रेलवे पर 08 से 14 दिसंबर, 2024 तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया गया, जिसका उद्देश्य ऊर्जा संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना तथा इसे लागू करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा किए गए उपायों के बारे में बताया है।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2024 में अपनी जीत का सिलसिला रखा जारी

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे ने ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिसिएंसी (BEE), भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (NECA) 2024 में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल को 'अंडरगियर लाइट्स के स्वचालन' परियोजना के लिए परिवहन क्षेत्र में मान्यता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक द्वारा 14 दिसंबर, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में विद्युत मंत्रालय द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। इस नवीन परियोजना का विवरण देते हुए विनीत ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य अल्ट्रासोनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके भारतीय रेलवे के कोचिंग डिपो की पिट लाइनों में ऊर्जा संरक्षण के छिपे अवसरों का दोहन करना है। इस तकनीक के कार्यान्वयन से 1 पिट लाइन के लिए लगभग 504 KWH प्रति माह (6048 KWH प्रति वर्ष) ऊर्जा की बचत की जा सकती है।

पुस्तिका का भी विमोचन

विनीत ने आगे बताया कि सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन के दौरान मुख्यालय के साथ-साथ पश्चिम रेलवे के सभी छह मंडलों में सेमिनार, प्रिंटआउट, पैम्फलेट, कॉलर ट्यून, स्टेशनों पर सार्वजनिक घोषणाएं, बैनर आदि जैसे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस संबंध में 16 दिसंबर, 2024 को पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट में एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख विभागाध्यक्ष, मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जबकि अन्य मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मौजूद रहे। वर्ष 2023-24 के लिए ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए 15 रेलवे अधिकारियों को पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने चालू वित्त वर्ष के दौरान ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में पश्चिम रेलवे द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों और पहलों को संकलित करने वाली एक पुस्तिका का भी विमोचन किया।

कुर्ला बस हादसा

मरने वालों की संख्या 8 हुई

9 दिसंबर को BEST की बस से हुआ था हादसा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के कुर्ला में हुए बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 8 हो गई। इलाज के दौरान सोमवार को एक और व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान फजलू रहमान शेख (52) के रूप में हुई है। 9 दिसंबर को कुर्ला में BEST (बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट) की एक बस अनियंत्रित होकर गाड़ियों से टकरा गई थी। घटना रात करीब 9:50 बजे हुई थी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बस दुर्घटना में मरने वाले लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपए की मदद का आदेश दिया था।

मध्य रेलवे की रिकॉर्डतोड़ कमाई

यात्री परिवहन मामले में भी अव्वल

इस साल नवंबर तक यात्री किराए से 4,966 करोड़ रुपए की कमाई की

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल ने इस वित्तीय वर्ष में नवंबर 2024 तक यात्री परिवहन और आय में प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है। मध्य रेल ने इस वित्तीय वर्ष में यात्री आय के रूप में 4,966 करोड़ रुपये कमाए हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 4,699 करोड़ रुपये था। इस प्रकार इसमें 5.68% की वृद्धि हुई है।

1064 मिलियन यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया

यात्री संख्या के संदर्भ में मध्य रेल ने इस वित्त वर्ष के दौरान नवंबर-2024 तक 1064 मिलियन यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 1039 मिलियन यात्रियों ने यात्रा की थी, जो 2.35% की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें पिछले वर्ष 121 मिलियन गैर उपनगरीय यात्रियों की तुलना में इस वित्त वर्ष में 127 मिलियन गैर उपनगरीय यात्री शामिल हैं, जो 5.61% की वृद्धि है। इसमें इस वित्त वर्ष के दौरान यात्रा किये गये 936 मिलियन उपनगरीय यात्री भी शामिल हैं।

गैर उपनगरीय आय के माध्यम से 4,328 करोड़ रुपए

इसमें इस वित्त वर्ष नवंबर-2024 तक गैर उपनगरीय आय के माध्यम से 4,328 करोड़ रुपये शामिल हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 4,095 करोड़ रुपये था, जो 5.69% की वृद्धि है और इस वित्त वर्ष नवंबर-2024 तक उपनगरीय आय के माध्यम से 638 करोड़ रुपये शामिल हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 604 करोड़ रुपये था, जो 5.63% की वृद्धि है।

नवंबर 2024 में मध्य रेल ने 138 मिलियन यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया

उल्लेखनीय है कि अकेले नवंबर 2024 में, मध्य रेल ने 138 मिलियन यात्रियों (122 मिलियन उपनगरीय और 16 मिलियन गैर-उपनगरीय सहित) को उनके गंतव्य तक पहुंचाया और 554 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया (जिसमें उपनगरीय आय के रूप में 84 करोड़ रुपये और गैर-उपनगरीय आय के रूप में 470 करोड़ रुपये शामिल हैं।

'पीएम मोदी और अमित शाह के दबाव में काम करती है न्यायपालिका'

संजय राउत ने सरकार को बताया संविधान के खिलाफ

मुंबई। इस समय संसद में संविधान को लेकर काफी चर्चाएं चल रही है, जहां दोनों पक्षों के लोग संविधान को लेकर सदन में हंगामे कर रहे है। आज भी लोकसभा के बाद राज्यसभा में संविधान को लेकर चर्चाएं होनी है। इस दौरान शिवसेना यूबीटी सासंद संजय राउत का मानना है कि वर्तमान की सरकार संविधान के साथ नहीं है। सरकार को संविधान विरोधी बताते हुए सांसद संजय राउत ने बताया कि आज राज्यसभा में संविधान के मुद्दे को लेकर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश की सरकार संविधान के विरोध में काम कर रही है।संजय राउत ने सरकार की भूमिका बताते हुए संविधान के संरक्षकों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि इस समय देश में न्यायपालिका, संसद और भारत के चुनाव आयोग, राजभवन, जिन्हें संविधान का संरक्षक होना चाहिए, द्वारा निभाई जा रही भूमिका और सत्तारूढ़ सरकार राष्ट्र के हित में नहीं है।

संजय राउत का बयान

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत कहते हैं, 'आज राज्यसभा में संविधान पर चर्चा होगी। वर्तमान सरकार भारत के संविधान के खिलाफ काम कर रही है। न्यायपालिका, संसद और भारत के चुनाव आयोग, राजभवन, जिन्हें संविधान का संरक्षक होना चाहिए, द्वारा निभाई जा रही भूमिका और सत्तारूढ़ सरकार राष्ट्र के हित में नहीं है। अगर सरकार लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतती, तो लोकसभा में चर्चा का विषय होता ' संविधान को बदलना क्यों आवश्यक है'। जिस देश में न्यायपालिका और भारत का चुनाव आयोग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पीएम मोदी के दबाव में काम कर रहा हो, वहां संविधान खतरे में है।'

पश्चिम रेलवे

मरम्मत कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिमी रेलवे, 6वीं मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008. आमंत्रित करता है **निविदा सूचना संख्याः बीसीटी/24-25/235 दिनांक 12.12.2024 कार्य और स्थानः** 1) एसएसई/डब्ल्यू/एसटी के अंतर्गत कॉलोनी की सड़कों की मरम्मत 2) एडीईएन-एसटी के अनुभाग के अंतर्गत सेवा भवन और अन्य महत्वपूर्ण स्टेशन भवनों की सामान्य मरम्मत। 3) जोरवासन-सूरतः अनुभाग-एसएसई/डब्ल्यू/एसटी अनुभाग के अंतर्गत मौजूदा जीर्णोद्धार स्टाफ क्वार्टरों की सामान्य मरम्मत और छत के रिसाव का उपचार। 4) जोरवासन-सूरतः अनुभाग - एसएसई/डब्ल्यू/एसटी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कॉलोनियों में जल निकासी में **सुधार कार्य की अनुमानित लागतः** रु.5,35,12,524.39 **ईएमडीः** रु.4,17,600.00 **जमा करने की तिथि और समयः** 07.01.2025, 15.00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समयः** 07.01.2025 को 15.30 बजे. कार्य की विस्तृत प्रकृति, निविदा दस्तावेज की लागत (गैर-वापसी योग्य), ईएमडी पात्रता मानदंड, कार्य की समान प्रकृति, विस्तृत निविदा शर्तों के बारे में, कृपया www.ireps.gov.in पर जाएं। मैनुअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा।

0841

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

जरांगे फिर से शुरु करेंगे अनिश्चितकालीन अनशन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को घोषणा की कि वह नौकरियों और शिक्षा में ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण समेत मराठा समुदाय की मांगों को लेकर फिर से अनिश्चितकालीन अनशन की शुरुआत करेंगे और मंगलवार को इसकी तिथि की घोषणा करेंगे। जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में मीडिया से बात करते हुए, जहां उन्होंने मध्य महाराष्ट्र में पिछले आधा दर्जन अनशन किए थे, उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय के लोग उनके अनशन में शामिल हो सकते हैं।

अनशन में भाग लेने के लिए कोई बाध्यता नहीं

बता दें कि, मनोज जरांगे की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब भाजपा के नेतृत्व वाली नई महायुति सरकार 15 दिसंबर को बड़े मंत्रिमंडल विस्तार के बाद स्थिर हो रही है। जरांगे ने जोर देकर कहा कि यह अनशन मराठा समुदाय के सभी सदस्यों के लिए खुला रहेगा, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके नेतृत्व में चल रहे व्यापक राज्यव्यापी आरक्षण आंदोलन के तहत अनशन में भाग लेने के लिए कोई बाध्यता नहीं है।

'सरकार अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए'

उन्होंने जोर देकर कहा, 'सरकार ने मराठा समुदाय की मांगों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पहले ही व्यक्त कर दी है। अब हम उनसे उम्मीद करते हैं कि वे सत्र के दौरान ठोस कदम उठाकर अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाएं।' उन्होंने सरकार से सेज सोयारे (करीबी रिश्तेदार), हैदराबाद, बॉम्बे और सतारा गजेटियर की तरफ से मराठा को कुनबी घोषित करने की मसौदा अधिसूचना को लागू करने को कहा।

मनोज जरांगे की क्या है मांग?

मनोज जरांगे एक मसौदा अधिसूचना के क्रियान्वयन की मांग कर रहे हैं, जो कुनबी को मराठों के 'ऋषि सोयारे' (जन्म या विवाह से संबंधित) के रूप में मान्यता देती है और उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण प्रदान करती है।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

शहर अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांचे कार्यालय

उल्हासनगर महानगरपालिका शहरामधील खाली नमुद 02 कामे योग्य वर्गातील ठेकेदाराकडून निविदा प्रणाली पध्दतीनुसार महानगरपालिकेच्या अटी व शर्तीस अधिन राहून दिनांक 17/12 /2024 रोजी निविदा मागविण्याकरीता प्रसिध्द करण्यात येत आहे.

सदर निविदा प्रणालीबाबत इतर आवश्यक माहिती www.umc.gov.in या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

अ.क्र.	निविदा क्रमांक	कामाचे नांव	रक्कम	टक्केवारी	कालावधी	वर्गवारी
1	उमपा/साबांवि/नोटीस/2024-25/2/1	उल्हासनगर-2 प्रभाग क्र. 5 येथील स्नेह सागर अपार्टमेंट पासून ते सागर क्लिनिक जवळ सी.सी. पेव्हमेंट व नाली बनविणे.	१००००००	१%	३ महिने	VI TH
2	उमपा/साबांवि/नोटीस/2024-25/2/2	उल्हासनगर-2 प्रभाग क्र. 5 येथील सेवादास दरबार येथे सी.सी. पेव्हमेंट व नाली बनविणे.	१००००००	१%	३ महिने	VI TH

सदर निविदा प्रणालीबाबत इतर आवश्यक माहिती www.umc.gov.in या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

जा.क्र.-उमपा / पिआरओ / 463/2024
दिनांक : 16/12/2024

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (साबांवि)
उल्हासनगर महानगरपालिका

संपादकीय

जीवनदायी उपचार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अक्सर कहते हैं कि बुरा लगता है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार देश में एक दशक में सड़क दुर्घटनाओं में 15 लाख लोगों की मौत हुई । हर साल कोई डेढ़ लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मरने वाले ज्यादातर युवा व परिवार के कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से परिवार गरीबी के दलदल में जा धंसता है। यदि दुर्घटना होने पर घायलों को तुरंत व मुफ्त उपचार मिले तो लाखों जानें बचायी जा सकती हैं। इस संकट के मद्देनजर ही सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का शुरुआती गोल्डन ऑवर में निःशुल्क उपचार कराया जाएगा। दुर्घटना के बाद सात दिनों के भीतर घायल को डेढ़ लाख रुपये तक उपचार मुफ्त मिल सकेगा। हरियाणा पुलिस ने भी इस योजना की शुरुआत कर दी है। प्रदेश की सड़कों को नागरिकों के लिये सुरक्षित बनाने की पहल को विस्तार दिया जा रहा है। दरअसल, यह पायलेट प्रोजेक्ट नेशनल हेल्थ अथॉरिटी द्वारा स्थानीय पुलिस और राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनुबंधित अस्पतालों के साथ तालमेल करते हुए संयुक्त रूप से लागू किया जाएगा। इसमें अस्पताल प्रबंधन सॉफ्टवेयर में घायल व्यक्ति का डेटा अपलोड करके संबंधित पुलिस थाने को भेजेगा। थाना छह घंटे के भीतर दुर्घटना की पुष्टि करेगा, फिर घायल को कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। निश्चित रूप से सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की पहल पर शुरू की गई इस योजना का स्वागत किया जाना चाहिए। यदि समय रहते घायलों को उचित व मुफ्त उपचार मिल जाए तो हर साल हजारों जानें बचायी जा सकती हैं। लेकिन जरूरत इस बात की है कि अस्पतालों व पुलिस में बेहतर तालमेल स्थापित हो। निश्चित रूप से घायलों के प्रति संवेदनशील व्यवहार व औपचारिकताओं के बिना तुरंत उपचार जीवन रक्षक ही साबित होगा। उन बाधाओं को दूर करने की भी जरूरत है जिसकी वजह से लोग घायलों की मदद करने से कतराते हैं। इसके अलावा उन बिंदुओं पर विस्तार से काम करने की जरूरत है, जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाओं में तेजी आती है। जरूरी है कि जन-जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को दुर्घटनाओं को टालने के लिये सतर्क रहने को प्रेरित किया जाए। उन स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां दुर्घटना उन्मुख क्षेत्र स्थित हैं। इंजीनियरिंग विभाग की मदद से उन तकनीकी खामियों को दूर किया जाए जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। इसी तरह स्कूली बसों की सुरक्षा की भी नियमित जांच होनी चाहिए। इस दिशा में हरियाणा पुलिस ने बड़ी पहल करते हुए 19 हजार से अधिक स्कूल बसों की जांच की है और खामी पाये जाने पर करीब साढ़े चार हजार से अधिक बसों के चालान भी किए हैं। इसी तरह ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों का भी चालान किया जाना चाहिए, ताकि दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके। निस्संदेह, सरकार, पुलिस-प्रशासन तथा नागरिकों की जागरूकता से ही दुर्घटनाएं टाली जा सकती हैं।

जटिल हालात में संतुलित कूटनीतिक पहल

पिछले सप्ताह दिल्ली में विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सामने विदेश सचिव विक्रम मिसरी द्वारा बांग्लादेश की अपनी यात्रा का सार नपे-तुले शब्दों में बताना, यथार्थवादी मध्यमार्ग कूटनीति की ओर भारत की स्वागतयोग्य वापसी दर्शाता है, और इसी वजह से भारत की विदेश नीति की ख्याति रही है।

सबसे दिलचस्प यह है कि मिसरी ने शेख हसीना पर उठे सवाल का जवाब पूरी स्पष्टता के साथ दिया। मुखातिब भले ही वे अपने सांसदों से थे, लेकिन बिना शक,उनके इस बयान को बांग्लादेश ने भी उतनी ही सावधानी से सुना और देखा होगा। परिणाम एक बढ़िया संतुलन वाला रहा, एक ऐसे मित्र का चतुराई पूर्ण बचाव, जिसके कार्य-कलाप से न तो आप अतीत में पूर्ण रूपेण सहमत थे और न ही वर्तमान परिस्थितियों में, लेकिन आप उससे पूरी तरह किनारा भी नहीं कर सकते।

मिसरी ने बताया कि हसीना द्वारा बांग्लादेश की अंतरिम सरकार, मुख्य सलाहकार मुहम्मद युनूस के अलावा वहां के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार की नाकामी को लेकर हाल ही में जो अति आलोचनात्मक टिप्पणियां की गई थीं, वे उन्होंने निजी संचार उपकरण के माध्यम से की हैं– जैसे कि आईपैड या कंप्यूटर इत्यादि – किसी टेलीकॉम सेवा प्रदाता से पाए नंबर द्वारा। मिसरी ने एक बार भी यह नहीं कहा कि भारत हसीना की बातों की ताईद करता है या नहीं। उन्होंने विशेष तौर पर कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध किसी 'एक राजनीतिक दल विशेष' पर निर्भर न होकर, उसके केंद्र में बांग्लादेश के नागरिक हैं।

तो, आइए हम दोनों स्थूल पंक्तियों के बीच की बारीक़ी को समझें। मिसरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत हसीना के साथ संबंधों वाले पुराने समय से आगे बढ़ने और नए बांग्लादेश के साथ सामान्य स्थिति बहाल करने को तैयार है – आखिरकार, ऐसा भी नहीं है कि भारत ने विगत में अपने इस पूर्वी पड़ोस की कम-दोस्ताना सरकारों से व्यावहारिक रिश्ता न निभाया हो। इसके बारे जानना हो तो इतिहास के प्रति रुचि रखने वाले और पुराने राजदूत रोनेन सेन से उस घड़ी के बारे में पूछिए, जब 1975 में एक रोज आधी रात के बाद या अलसुबह (जिसे आप अपनी घड़ी के हिसाब से कुछ भी कहें) हसीना के पिता मुजीब-उर-रहमान की हत्या कर दी गई थी,और अगर यह हत्या नहीं थी, तो इतनी क्रूर घटना होना क्योंकर बदा था। इसी प्रकार वयोवृद्ध

किंतु तेज याद्दाश्त के धनी एक अन्य राजनयिक देब मुखर्जी से पूछिए कि हसीना और खालिदा जिया के साथ उनकी वार्ताएं कैसी रहीं और दशकों तक बांग्लादेश को चलाने वाली ये दो महिलाएं इतनी शिद्दत से एक-दूसरे से इतनी नफ़रत क्यों करती हैं और क्यों 4 अगस्त की 'क्रांति' या 'पराजय' -यह आप पर निर्भर है कि इसे कैसे लें – अपरिहार्य थी। चलिए आगे बढ़ते हैं। दिल्ली में मिसरी कह तो भारतीय सांसदों को रहे थे किंतु सुना बांग्लादेश को रहे थे। यह एक बदसूरत प्रकरण रहा, हमारे लिए भी। इस बारे में मिसरी कभी नहीं कहेंगे, न ही कोई और सेवारत भारतीय राजनयिक, लेकिन तथ्य यही है कि इस जनवरी में जब शेख हसीना ने अपना आखिरी चुनाव जीता और उससे पहले जनवरी 2019 में चुनावी विजय पाई, भारत उनके साथ खड़ा रहा। ऐसा करके भारत ने कूटनीतिक

ज्योति मल्होत्रा

तौर पर बमुश्किल अपनी नाक बचाए रखी।

भारत ने बार-बार हसीना को आगाह किया था कि चुनाव प्रक्रिया में विपक्षी दलों की सहभागिता बनाई जाए, खालिदा जिया और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के बाकी लोगों से बात करें, बांग्लादेश एक-दलीय शासन वाला लोकतंत्र नहीं है। भारत की यह सलाह जितनी मुजीब की बेटी के लिए थी उतनी ही बांग्लादेश के लोगों को भी, जिनकी वफादारियां अवामी लीग और बीएनपी के बीच बंटी हुई हैं। इसमें बांग्लादेश के साथ लगभग 4000 किमी. लंबी सीमा साझी रखने वाले हमारे उत्तर-पूर्वी राज्यों की सुरक्षा और स्थायित्व का आयाम भी जुड़ा था। बांग्लादेश के साथ भारत के नए संबंध उतने ही दिलचस्प होने वाले हैं जितना कि अफगान तालिबान के साथ बन रहे हैं। अभी कुछ हफ्ते पहले ही, वरिष्ठ भारतीय राजनयिक जेपी सिंह तालिबान के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब (मुल्ला उमर का बेटा) से मिलने काबुल गए थे। इस मुलाकात ने पास पड़ोस, खासकर पाकिस्तान, में खतरे की घंटी बजा दी है। कुछ अमेरिकियों को हैरानी हुई कि क्या भारत उनके कूटनीतिक हितों के विपरीत लोगों से दोस्ती करने जा रहा है- हालांकि बहुत संभव है कि भारत के अलावा अमेरिका भी अंदरखाते इस पर सहमत हो। सनद रहे कि दो साल पहले अमेरिकियों के काबुल से भाग खड़े होने के बाद से तालिबान ने अमेरिकी दूतावास की एक ईंट तक नहीं छुई, निश्चित रूप से, बड़े खेल का एक नया दौर शुरू होने का इंतजार सभी पक्ष कर रहे हैं। इतना तय है कि रूस ने प्रतिबंधित संस्थाओं की अपनी सूची से इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान को हटाकर उस पर अहसान किया है।

2024 का सबक यह भी है कि पास में शक्ति होना काफी नहीं है,उस ताकत का प्रयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यूनुस के बांग्लादेश से लेकर हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के राज कपूर के खानदान से मिलने तक, संदेश सीधा सा है। अगर आप लंबे समय टिके रहेंगे तभी आप गिने जाएंगे।

जीवन मंत्र

जे कृष्णमूर्ति

बेचैन मन से शांति की तलाश

मन की बेचैनी को समझने पर ही प्रलाप और चिंता का अंत हो सकता है। याद रखिए, एक बेचैन मन, चाहे वह कितना भी प्रतिभाशाली क्यों न हो, समझ और खुशी को नष्ट कर देता है!

प्रलाप और चिंता में अजीब तरह की समानता है। ये दोनों ही अशांत मन की उपज हैं। एक बेचैन मन के भाव और क्रियाकलाप तेजी से बदलते हैं, अधीर मन किसी न किसी काम में उलझा मिलेगा; इसमें खलबली बढ़ती जाती है, बेचैन मन की दिलचस्पी भी तेजी से बदलती है और प्रलाप में ये सभी तत्व शामिल होते हैं।

संघनता और गंभीरता के ठीक विपरीत है प्रलाप। किसी दूसरे के बारे में प्रसन्न होकर या दुष्टतापूर्वक बातें करना अपने आप से पलायन है और पलायन बेचैनी का कारण है। पलायन अपने स्वभाव में ही बेचैन करने वाला है। दूसरों के बारे में चिंता करने की बीमारी ज्यादातर लोगों में होती है, और यह रोग चारों तरफ दिखाई देता है। जैसे हम इस बात से चिंतित होते हैं कि दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, वैसे ही हम उनके बारे में भी सब कुछ जानने को उत्सुक रहते हैं और इससे दंभ के कच्चे अंकुर पैदा होते रहते हैं। इस प्रकार हम ज्यादा से ज्यादा बाहरी होते जाते हैं और आंतरिक रूप से खोखले। याद रखिए, हम जितना अधिक बाह्य होंगे, अफवाहों और विचलन के उतने ही ज्यादा संपर्क में होंगे, और यह एक ऐसे मन को जन्म

देगा, जो कभी शांत नहीं होता; जो गहरी खोज में सक्षम नहीं है।

प्रलाप बेचैन मन की अभिव्यक्ति है; पर खामोशी शांत मन का संकेत नहीं है। संयम या नकार से शांति अस्तित्व में नहीं आती; बल्कि जो है, उसकी समझ से आती है। और जो है, उसको समझने के लिए गहन जागरूकता की आवश्यकता है, क्योंकि जो है, वह स्थिर नहीं है। यदि हम चिंता न करें, तो अधिकांश लोगों को यही लगेगा कि हम जीवित नहीं हैं; किसी न किसी समस्या से जूझते रहना हममें से अधिकांश लोगों के लिए अस्तित्व का संकेत है। हम किसी समस्या के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं कर सकते; और जितना अधिक हम किसी समस्या में व्यस्त होते जाते हैं, यह सोचते हैं कि हम उतने ही जागरूक हैं। किसी समस्या को लेकर निरंतर तनाव मन को सुस्त बनाता है, उसे असंवेदनशील और थका देता है।

किसी समस्या में निरंतर व्यस्तता क्यों बनी रहती है? क्या चिंता करने से समस्या का समाधान हो जाएगा? या किसी समस्या का उत्तर तब आता है, जब मन शांत होता है? चिंता गंभीरता की झलक रखती है, उससे पैदा नहीं होती, बल्कि गहराई से देखें, तो यह आकर्षण की उपज है, और आकर्षण हमेशा बदलता रहता है, इसलिए चिंता व प्रलाप भी तेजी से बदलते हैं।

मन की बेचैनी को समझने पर ही प्रलाप और चिंता का अंत हो सकता है। याद रखिए, एक बेचैन मन, चाहे वह कितना भी प्रतिभाशाली क्यों न हो, समझ और खुशी को नष्ट कर देता है!

शख्सियत | उमयालपुरम के. शिवरामन

भारतीय शास्त्रीय संगीत का चमकता सितारा

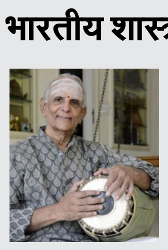

उमयालपुरम के. शिवरामन का नाम भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया में बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। 17 दिसंबर 1935 को तमिलनाडु के उमयालपुरम गांव में जन्मे शिवरामन बचपन से ही संगीत के माहौल में पले-बढ़े। उनके परिवार में संगीत का गहरा प्रभाव था, और यहीं से उनकी संगीत यात्रा की शुरुआत हुई।

शिवरामन ने मृदंग वादन की शिक्षा अपने गुरु उमयालपुरम नारायण अय्यर और प्रसिद्ध कंजिरा वादक पलानी सुब्रमण्य पिल्लई से प्राप्त की। उनके गुरुओं ने उन्हें मृदंग वादन की पारंपरिक विधाओं के साथ-साथ उसकी गहराई और रचनात्मकता सिखाई। शिवरामन ने इन शिक्षाओं को न केवल आत्मसात किया, बल्कि अपनी अनूठी शैली से मृदंग वादन को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। उनकी उंगलियों से निकलने वाली तालें हर मंच पर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती थीं। शिवरामन का संगीत केवल कर्नाटक संगीत तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने विभिन्न संगीत शैलियों और कलाकारों के साथ काम किया, जिससे उनकी कला की व्यापकता और बहुमुखी प्रतिभा का परिचय मिलता है। उनका वादन शास्त्रीय संगीत की परंपराओं का सम्मान करता है, लेकिन उसमें आधुनिकता की झलक भी दिखाई देती है। शिवरामन को उनके योगदान के लिए कई बड़े पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें 1988 में पद्म श्री, 2003 में पद्म भूषण और 2010 में पद्म विभूषण जैसे भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से नवाजा गया। इसके अलावा, उन्हें कर्नाटक संगीत का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार 'संगीत कलानिधि' भी प्राप्त हुआ। मृदंग वादन में उनकी रुचि केवल वादन तक सीमित नहीं रही। उन्होंने मृदंग निर्माण की तकनीकों में भी नवाचार किए। उनके प्रयासों से हल्के और बेहतर ध्वनि वाले मृदंग तैयार किए गए, जिससे इसे बजाना और भी आसान हो गया। उनकी यह पहल संगीत और वाद्ययंत्रों के प्रति उनके गहरे समर्पण को दर्शाती है। उमयालपुरम के. शिवरामन न केवल एक महान मृदंग वादक हैं, बल्कि एक प्रेरणा स्रोत भी हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समर्पण, अनुशासन और कड़ी मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी संगीत साधना और उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक की तरह काम करेंगी। उनका नाम भारतीय संगीत के इतिहास में हमेशा अमर रहेगा। उमयालपुरम के. शिवरामन का निधन 2 दिसंबर 2023 को हुआ, जिससे भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया ने अपना एक चमकता सितारा खो दिया। उनके निधन की खबर ने संगीत प्रेमियों और कलाकारों को गहरा आघात दिया।

जीवन ऊर्जा

हम्फ्री डेवी : जन्म 17 दिसंबर 1778

जन्म

ज्ञान की खोज एक अंतहीन यात्रा है

हम्फ्री डेवी, जिनका जन्म 17 दिसंबर 1778 को हुआ था और जिनका निधन 29 मई 1829 को हुआ था, एक अग्रणी ब्रिटिश रसायनज्ञ और आविष्कारक थे। कई क्षार और क्षारीय पृथ्वी धातुओं की खोज के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने खनिकों के लिए डेवी लैंप का आविष्कार किया। इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री और रासायनिक अलगाव पर उनके काम ने उनके समय के दौरान विज्ञान में क्रांति ला दी।

जीवन महान त्याग या कर्तव्यों से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी चीजों से बना है। कल्पना खोज की आत्मा है। मेरी सबसे महत्वपूर्ण खोजों का सुझाव मुझे मेरी असफलताओं ने दिया है। गलतियाँ करने से मत डरो; वे अक्सर महानतम उपलब्धियों की ओर ले जाती हैं। ज्ञान की खोज एक अंतहीन यात्रा है। नए ज्ञान से भरा हुआ मन कभी भी अपने मूल आयामों पर वापस नहीं जा सकता। सफलता उन्हें मिलती है जो जिज्ञासा को साहस के साथ अपनाते हैं। सच्चा विज्ञान हमें संदेह करना और सवाल करना सिखाता है। अवलोकन की शक्ति ब्रह्मांड के रहस्यों को खोलने की कुंजी है। प्रशंसा के लिए नहीं, बल्कि काम के प्रति प्रेम के लिए काम करें।

महान उपलब्धियाँ दृढ़ता और जुनून से पैदा होती हैं। प्रतिभा की चिंगारी अदृश्य को देखने की क्षमता में निहित है। हर विफलता में एक सबक होता है; हर सबक में प्रगति होती है। खोजें 'क्या होगा अगर?' पूछने के साहस से शुरू होती हैं। प्रगति उन लोगों के लिए पुरस्कार है जो सामान्य से परे सपने देखने की हिम्मत रखते हैं। प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है; उसका निरीक्षण करें और उससे सीखें। विनम्रता ज्ञान की नींव और खोज का प्रवेश द्वार है। हर छोटी खोज महानता की ओर एक कदम है। संभव की सीमाओं को केवल असंभव में धकेल कर ही परिभाषित किया जा सकता है। रचनात्मकता और विज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ज्ञान अनंत है, और सीखने की हमारी क्षमता भी अनंत है। सपने नवाचार के इंजन को ईंधन देते हैं। सफलता का माप आप जो हासिल करते हैं उसमें नहीं है, बल्कि आप जो प्रभाव छोड़ते हैं उसमें है। अंधेरे में भी, जिज्ञासा का प्रकाश आपको मार्गदर्शन कर सकता है। दूसरों को प्रेरित करने के लिए, पहले अपने भीतर जुनून की लौ जलाएं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हृदय के मंदिर में छिपा है ईश्वर का असली वास

एक बार भगवान दुविधा में पड़ गए! कि कोई भी मनुष्य जब मुसीबत में पड़ता है, तब मेरे पास भागा-भागा आता है और मुझे सिर्फ अपनी परेशानियां बताने लगता है, मेरे पास आकर कभी भी अपने सुख या अपनी संतुष्टि की बात नहीं करता मेरे से कुछ न कुछ मांगने लगता है!

अंततः भगवान ने इस समस्या के निराकरण के लिए देवताओं की बैठक बुलाई और बोले- कि हे देवो, मैं मनुष्य की रचना करके कष्ट में पड़ गया हूं। कोई न कोई मनुष्य हर समय शिकायत ही करता रहता हैं, जबकी मै उन्हे उसके कर्मानुसार सब कुछ दे रहा हूँ। फिर भी थोड़े से कष्ट मे ही मेरे पास आ जाता हैं, जिससे न तो मैं कहीं शांति पूर्वक रह सकता हूं, न ही शास्वत स्वरूप में रहकर

साधना कर सकता हूं। आप लोग मुझे कृपया ऐसा स्थान बताएं, जहां मनुष्य नाम का प्राणी कदापि न पहुंच सके।

प्रभु के विचारों का आदर करते हुए देवताओं ने अपने-अपने विचार प्रकट करने शुरू किए। गणेश जी बोले- आप हिमालय पर्वत की चोटी पर चले जाएं। भगवान ने कहा- यह स्थान तो मनुष्य की पहुंच में हैं। उसे वहां पहुंचने में अधिक समय नहीं लगेगा। इंद्रदेव ने सलाह दी- कि आप किसी महासागर में चले जाएं। वरुण देव बोले- आप अंतरिक्ष में चले जाइए। भगवान ने कहा- एक दिन मनुष्य वहां भी अवश्य पहुंच जाएगा। भगवान निराश होने लगे थे। वह मन ही मन सोचने लगे- क्या मेरे लिए कोई भी ऐसा गुप्त स्थान नहीं हैं, जहां मैं शांतिपूर्वक रह सकूं। अंत में सूर्य देव बोले- प्रभु! आप ऐसा करें कि मनुष्य के हृदय में बैठ जाएं! मनुष्य अनेक स्थान पर आपको ढूंढने में सदा उलझा रहेगा, क्योंकि मनुष्य बाहर की प्रकृति की तरफ को देखता है दूसरों की तरफ को देखता है खुद के हृदय के अंदर कभी झांक कर नहीं देखता इसलिए वह यहाँ आपको कदापि तलाश नहीं करेगा। करोड़ों में कोई एक जो आपको अपने हृदय में तलाश करेगा वह आपसे शिकायत करने लायक नहीं रहेगा, क्योंकि उसकी बाहरी इच्छा शक्ति खत्म हो चुकी होगी। ईश्वर को सूर्यदेव की बात पसंद आ गई। उन्होंने ऐसा ही किया और भगवान हमेशा के लिए मनुष्य के हृदय में जाकर बैठ गए।

उस दिन से मनुष्य अपना दुख व्यक्त करने के लिए ईश्वर को मन्दिर, पर्वत पहाड़ कंदरा गुफा ऊपर, नीचे, आकाश, पाताल में ढूंढ रहा है पर वह मिल नहीं रहें हैं।परंतु मनुष्य कभी भी अपने भीतर ईश्वर को ढूंढने की कोशिश नहीं करता है। इसलिए मनुष्य 'हृदय रूपी मन्दिर' में बैठे हुए ईश्वर को नहीं देख पाता और ईश्वर को पाने के चक्कर में दर-दर घूमता है पर अपने हृदय के दरवाजे को खोल कर नहीं देख पाता। 'हृदय रूपी मंदिर' में बैठे हुए ईश्वर को देखने के लिए 'मन रूपी द्वार' का बंद होना अति आवश्यक है, क्योंकि 'मन रूपी द्वार' संसार की तरफ़ खुला हुआ है और 'हृदय रूपी मंदिर' की ओर बंद है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।

मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

सफलता के लिए अपनी कीमत को पहचानना जरूरी

हर इंसान के अंदर कोई ना कोई काबीलियत होती है। कुछ लोगों को अपनी प्रतिभा के बारे में जानकारी होती है, जबकि कुछ लोगों को इसका अंदाजा भी नहीं होता है। मगर जो लोग खुद पर भरोसा करते हुए अपनी काबीलियत के सहारे आगे बढ़ते हैं, उन्हें सफलता जरूर मिलती है। यही बात एक टीचर ने छात्रों को काफी रोचक तरीके से समझाई। एक दिन टीचर जब क्लास में पहुंचे, तो उनके हाथ में 100 रुपये का नोट पकड़ रखा था। बच्चों को कुछ नया सिखाने के लिए टीचर ने जेब से 100 रुपये का एक नोट निकाला। अब बच्चों की तरफ वह नोट दिखाकर कहा, बच्चों, क्या आप लोग बता सकते हैं कि यह कितने रुपये का नोट है? बच्चों ने एक साथ कहा, '100 रुपये का'! टीचर ने फिर पूछा, इस नोट को कौन-कौन लेना चाहेगा? सभी बच्चों ने हाथ खड़ा कर दिया। अब उस टीचर ने उस नोट को मुट्ठी में बंद करके बुरी तरह मसला, जिससे वह नोट बुरी तरह कुचल सा गया। अब टीचर ने फिर से बच्चों को नोट दिखाकर कहा कि अब यह नोट कुचल सा गया है, अब इसे कौन लेना चाहेगा? सभी बच्चों ने फिर हाथ उठा दिया। अब उस टीचर ने उस नोट को जमीन पर फेंका और अपने जूते से बुरी तरह कुचल कर फिर से बच्चों को दिखाया और पूछा कि अब इसे कौन लेना चाहेगा? सभी बच्चों ने फिर से हाथ उठा दिया। अब टीचर ने कहा कि बच्चों आज तुमने जिंदगी का बहुत बड़ा सबक सीखा है। ये 100 रुपये का नोट था, जब मैंने इसे हाथ से कुचला तो ये नोट कुचल गया। मगर इसकी कीमत 100 रुपये ही रही, इसके बाद जब मैंने इसे जूते से मसला तो ये नोट गन्दा हो गया। तब भी इसकी कीमत 100 रुपये ही रही। ठीक वैसे ही इंसान की जो कीमत है और इंसान की जो काबिलियत है वो हमेशा वही रहती है। आपके ऊपर चाहे कितनी भी मुश्किलें आ जाएं, चाहें जितनी मुसीबतों की धूल आपके ऊपर गिरे लेकिन आपको अपनी कीमत नहीं गंवानी है। आप कल भी बेहतर थे और आज भी बेहतर हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

इस लेख में हम उन महिलाओं के बारे में बताएंगे, जिन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए अपना अहम योगदान दिया है। ये उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं जो अकेले अपने दम पर अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं।

बरखा दत्त

पत्रकार और लेखिकाजन्म

18 दिसंबर 1971, नई दिल्ली

बरखा दत्त भारत की जानी-मानी पत्रकार और लेखिका हैं, जिन्हें उनकी निर्भीक रिपोर्टिंग और बेबाक विचारों के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपनी पत्रकारिता की शुरुआत NDTV से की और कई सालों तक इस चैनल का प्रमुख चेहरा रहीं। बरखा ने कारगिल युद्ध की रिपोर्टिंग से खास पहचान बनाई, जिससे उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली। वह पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं और कई किताबें लिख चुकी हैं। पत्रकारिता में उनके योगदान ने उन्हें आधुनिक मीडिया का एक मजबूत स्तंभ बनाया है। वर्तमान में वह अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म 'MoJo Story' के जरिए स्वतंत्र पत्रकारिता कर रही हैं। उनके काम ने लाखों युवा पत्रकारों को प्रेरित किया है।

कमला पंत

समाजसेवी

जन्म-18 दिसंबर 1956, चमोली, उत्तराखंड

कमला पंत उत्तराखंड की जानी-मानी समाजसेवी और महिला अधिकारों की प्रखर समर्थक हैं। वह राज्य में महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके अधिकारों के लिए लंबे समय से कार्यरत हैं। चिपको आंदोलन में उनकी सक्रिय भागीदारी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को उजागर किया। कमला पंत ने महिला शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और उन्हें समाज में एक मजबूत पहचान दिलाने के लिए कई प्रयास किए। उनकी मेहनत और समर्पण ने उन्हें उत्तराखंड में एक प्रेरणा स्रोत बना दिया है।

प्रतिभा पाटिल

पहली महिला राष्ट्रपति

जन्म-19 दिसंबर 1934, जलगांव, महाराष्ट्र

प्रतिभा पाटिल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति थीं, जिन्होंने 2007 से 2012 तक इस पद को सुशोभित किया। प्रतिभा पाटिल ने अपनी शिक्षा पुणे विश्वविद्यालय से पूरी की। उन्होंने कानून में स्नातक किया और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहीं। राजनीति में उनकी यात्रा 1962 में शुरू हुई जब वे महाराष्ट्र विधानसभा की सदस्य बनीं। वे राज्यपाल और सांसद के रूप में भी अपनी भूमिका निभा चुकी हैं। उनकी पहचान एक विनम्र, दूरदर्शी और सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में रही। अपने कार्यकाल में उन्होंने महिलाओं के उत्थान, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया।

यामिनी कृष्णमूर्ति

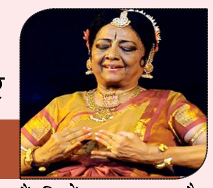

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की महान कलाकार

जन्म-20 दिसंबर 1940, तमिलनाडु

यामिनी कृष्णमूर्ति भारतीय शास्त्रीय नृत्य की महान कलाकार हैं, जिन्हें भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी में उनकी उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है। यामिनी ने अपनी नृत्य यात्रा को पारंपरिक शैली के साथ शुरू किया और अपनी ऊर्जा, लय और भावनात्मक अभिव्यक्ति से इन कलाओं को एक नया आयाम दिया। उन्होंने देश-विदेश में अपनी प्रस्तुतियों से भारतीय नृत्य की गरिमा बढ़ाई। पद्म श्री, पद्म भूषण और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मान उनके योगदान की गवाही देते हैं। यामिनी कृष्णमूर्ति नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जिन्होंने भारतीय संस्कृति को विश्व मंच पर पहचान दिलाई।

जयवंतीबेन मेहता

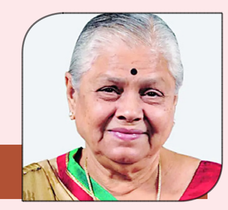

प्रतिष्ठित नेता

जन्म- 20 दिसंबर 1938, मुंबई

जयवंतीबेन मेहता भारतीय राजनीति की एक प्रतिष्ठित नेता थीं, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के माध्यम से अपनी पहचान बनाई। जयवंतीबेन ने महिलाओं के अधिकारों और समाज कल्याण के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। वे महाराष्ट्र विधान सभा की सदस्य रहीं और 1999 से 2004 तक दक्षिण मुंबई से लोकसभा सांसद चुनी गईं। उन्होंने केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। उनकी नेतृत्व क्षमता और निष्ठा ने उन्हें एक सशक्त महिला राजनीतिज्ञ के रूप में स्थापित किया। जयवंतीबेन का निधन 7 नवंबर 2016 को हुआ, लेकिन उनके योगदान को आज भी सम्मान और प्रेरणा के रूप में याद किया जाता है।

पल्लवी फौजदार

मोटरसाइकिल राइडर

जन्म-20 दिसम्बर 1979, आगरा, उत्तर प्रदेश

पल्लवी फौजदार एक प्रेरणादायक महिला मोटरसाइकिल राइडर हैं, जिन्हें एडवेंचर और सामाजिक संदेशों के लिए जाना जाता है। आगरा, उत्तर प्रदेश से आने वाली पल्लवी ने कई कठिन और खतरनाक रूट्स पर मोटरसाइकिल चलाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। वह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल हो चुकी हैं। पल्लवी ने सबसे ऊंचे पहाड़ी दर्रों और दुर्गम इलाकों में सोलो राइडिंग करते हुए महिलाओं को साहस और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया है। वह महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर भी काम करती हैं। पल्लवी फौजदार न केवल एक बाइकर हैं, बल्कि एक समाजसेवी और प्रेरणा स्रोत भी हैं, जिन्होंने सीमाओं को तोड़ते हुए नई ऊंचाइयों को छुआ है।

तारिणी देसाई

युवा लेखिका और पर्यावरणविद्

जन्मः 22 दिसंबर 1935,

वडोदरातारिणी देसाई एक प्रतिभाशाली युवा लेखिका और पर्यावरणविद् हैं, जो अपने गहन अनुसंधान और सृजनात्मकता के लिए जानी जाती हैं। गुजरात में जन्मी और पली-बढ़ी, तारिणी ने साहित्य और पर्यावरण विज्ञान में शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूकता फैलाने का काम किया है। तारिणी के लेखों में प्रकृति के प्रति गहरी समझ और मानवीय संवेदनाएं झलकती हैं। उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें 'ग्रीन आइकन अवार्ड' भी शामिल है। वह युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती हैं और सामुदायिक विकास परियोजनाओं से भी जुड़ी हुई हैं। उनकी लेखनी आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

आईशैडो लगाएं अब बिना महंगे ब्रश के

मेकअप के लिए महंगे ब्रश खरीदने की टेंशन अब खत्म! सोचिए, अगर आप बिना किसी ब्रश के सिर्फ घर में मौजूद चीजों का इस्तेमाल करके अपने आईशैडो को परफेक्ट लुक दे सकें, तो कैसा हो? चाहे कोई पार्टी हो या डेली लुक, बस थोड़ी सी क्रिएटिविटी और ये आसान हैक्स आपके मेकअप गेम को नया मोड़ देंगे। ब्रश की झंझट से बचें और उंगलियों, टिशू पेपर या ईयर बड्स जैसे छोटे-छोटे जुगाड़ों से तैयार करें अपनी आंखों का जादुई मेकअप। तो चलिए, इस मजेदार सफर पर चलते हैं, जहां मेकअप आसान भी होगा और मजेदार भी!

आईशैडो बिना महंगे ब्रश के लगाने के आसान घरेलू टिप्स

1. उंगलियों का करें इस्तेमाल

बिना ब्रश के आईशैडो लगाने का सबसे आसान तरीका है अपनी उंगलियों का इस्तेमाल।

- अपने फिंगरटिप्स से आईशैडो लें और हल्के से पलकों पर लगाएं।
- बेस कलर लगाने के लिए उंगलियों से टैपिंग मोशन का उपयोग करें।
- अगर शिमरी या ग्लिटरी आईशैडो लगा रही हैं, तो उंगलियों से प्रेस करके लगाएं ताकि रंग ज़्यादा पिगमेंटेड दिखे।

2. कान के बड्स का करें उपयोग

- कॉटन ईयर बड्स घर में आसानी से मिल जाते हैं और ये आईशैडो लगाने के लिए परफेक्ट टूल बन सकते हैं।
- कान के बड्स को हल्के से आईशैडो में डिप करें।
- इसे अपनी पलकों पर लगाएं और स्मजिंग के लिए दूसरी तरफ का साफ हिस्सा इस्तेमाल करें।

छोटे बड्स का उपयोग करके आप डिटेलिंग भी कर सकती हैं, जैसे इनर कॉर्नर या लोअर लैश लाइन पर कलर लगाना।

3. पुराने मेकअप स्पॉन्ज का इस्तेमाल

अगर आपके पास कोई पुराना मेकअप स्पॉन्ज है, तो इसे आईशैडो लगाने के लिए यूज़ कर सकती हैं।

- स्पॉन्ज को आईशैडो पैन में हल्के से रगड़ें।
- अब इसे पलकों पर दबाकर लगाएं।
- ब्लेंडिंग के लिए स्पॉन्ज को हल्के हाथों से चलाएं।

4. टिशू पेपर से बनाएं अपना ब्रश

अगर आपके पास कुछ भी नहीं है, तो टिशू पेपर से अपना खुद का ब्रश तैयार करें।

- टिशू पेपर को मोड़कर एक पतली स्टिक की तरह बना लें।
- इसे आईशैडो में डिप करके लगाएं।
- ब्लेंडिंग के लिए टिशू के दूसरे हिस्से का इस्तेमाल करें।

5. हाथ पर करें प्रैक्टिस

अगर आप नए तरीके अपना रही हैं, तो पहले हाथ पर प्रैक्टिस करें। इससे आपको आईशैडो ब्लेंड करने और सही शेड चुनने में आसानी होगी।

आईशैडो लगाने के कुछ और टिप्स

प्रीप करें पलकों को: आईशैडो लगाने से पहले पलकों पर कंसीलर या आई प्राइमर लगाएं। यह बेस तैयार करता है और आईशैडो को लंबे समय तक टिकने में मदद करता है।

लेयरिंग करें: अगर आपको शेड हल्का लग रहा है, तो एक बार में ज्यादा प्रोडक्ट लगाने की जगह लेयरिंग करें।

शिमरी शेड्स के लिए: उंगली से शिमरी या ग्लिटरी आईशैडो लगाना सबसे अच्छा तरीका है।

फायदे बिना ब्रश के मेकअप के

- पैसा बचता है, क्योंकि महंगे टूल्स की जरूरत नहीं होती।
- घर पर मौजूद चीजों से मेकअप करना आसान और सुविधाजनक होता है।
- आपके हाथ का कंट्रोल ब्रश की तुलना में बेहतर होता है।

कॉफी फेसियल खूबसूरती का नया फॉर्मूला

आजकल बाजार में कई महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, लेकिन अगर आप नेचुरल और आसान तरीका अपनाना चाहती हैं, तो कॉफी फेसियल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। कॉफी ना सिर्फ पीने में फायदेमंद है, बल्कि यह त्वचा की देखभाल के लिए भी जानी जाती है। आइए जानें, कॉफी फेसियल कैसे करें और इसके फायदे।

कॉफी फेसियल के लिए सामग्री

2 चम्मच कॉफी पाउडर
1 चम्मच शहद
1 चम्मच एलोवेरा जेल
थोड़ा सा गुलाबजल

कॉफी फेसियल कैसे करें?

1. क्लींजिंग:

सबसे पहले चेहरा अच्छी तरह धो लें और किसी सौम्य क्लींजर से सफाई करें। इससे आपकी त्वचा पर मौजूद गंदगी साफ हो जाएगी।

2. स्क्रबिंग:

कॉफी पाउडर में थोड़ा सा गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को हल्के हाथों से चेहरे पर लगाकर सर्कुलर मोशन में 5 मिनट तक मसाज करें। इससे डेड स्किन निकल जाती है और त्वचा चमकदार बनती है।

3. फेस पैक:

कॉफी पाउडर में शहद और एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में हल्के गुनगुने पानी से धो लें।

4. मॉइस्चराइजिंग:

फेसियल के बाद अपनी त्वचा पर कोई अच्छा मॉइस्चराइजर लगाएं, ताकि त्वचा हाइड्रेटेड और नरम बनी रहे।

कॉफी फेसियल के फायदे

टैनिंग हटाए: कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा से टैनिंग को हटाने में मदद करते हैं।
डेड स्किन से छुटकारा: यह स्क्रब की तरह काम करके डेड स्किन को हटाता है।
चमकदार त्वचा: कॉफी त्वचा को गहराई से साफ करके उसे निखारती है।
डार्क सर्कल्स कम करे: कॉफी में मौजूद कैफीन डार्क सर्कल्स को कम करने में मददगार है।

सावधानियां

अगर आपकी त्वचा सेंसिटिव है, तो पहले पैच टेस्ट करें।
फेसियल के बाद सीधे धूप में जाने से बचें।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — किसी लंबे मनोरंजक प्रवास का कार्यक्रम बन सकता है। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सरकारी कामकाज में अनुकूलता रहेगी।

वृष — कोई पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। शारीरिक हानि की आशंका बनती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से दिल को ठेस पहुंच सकती है।

मिथुन — गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी को भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। किसी अनहोनी की आशंका रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लापरवाही न करें। कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कामों में अनुकूलता रहेगी।

कर्क — आर्थिक वृद्धि के लिए नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यकारी नए अनुबंध हो सकते हैं।

सिंह — पहले किसी व्यक्ति को दिए गए कर्ज की वसूली हो सकती है। व्यावसायिक प्रवास सफल रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। कोई नई समस्या आ सकती है। शारीरिक कष्ट भी आशंका है, लापरवाही न करें।

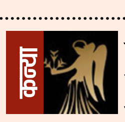

कन्या — जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। व्यावसायिक प्रवास हो सकता है। काम में अनुकूलता रहेगी।

तुला — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। कार्य के प्रति उत्साह रहेगा। जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना सफल रहेगी। बड़ा लाभ हो सकता है। प्रमाद न करें। कुबुद्धि हावी रह सकती है इसलिए कोई भी निर्णय सोम-समझकर करें।

वृश्चिक — कोई बड़ा खर्च अचानक सामने आ सकता है। व्यवस्था में मुश्किल होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। गुस्से पर काबू रखें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। धनहानि की आशंका बन सकती है।

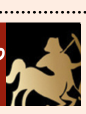

धनु — पहले किए गए प्रयास का लाभ अब मिलेगा। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे। निवेश शुभ फल देगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मकर — कामकाज में अधिक ध्यान देगा पड़ेगा। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। समय पर काम नहीं होने से तनाव रहेगा। गुस्से पर काबू रखें। व्यापार-व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे।

कुंभ — आय में सुगमता रहेगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता बढ़ेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आनंद और उल्लास के साथ जीवन व्यतीत होगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

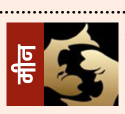

मीन — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें। बेवजह विवाद हो सकता है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

केन्द्राधिपत्य दोष

सौम्य ग्रह (गुरु, बुध, शुक्र, चन्द्र) यदि मारकेश (सप्तमेश) होकर केन्द्रेश होते हैं तो इनको शुभत्व प्राप्त न होकर केन्द्राधिपत्य दोष लग जाता है।लग्न अनुसार इन ग्रहों को केन्द्राधिपत्य दोष लगता है:

- **मेषः** शुक्र (द्वितीयेश, सप्तमेश)
- **मिथुनः** गुरु (सप्तमेश, दशमेश)
- **कन्याः** गुरु (चतुर्थेश, सप्तमेश)
- **वृश्चिकः** शुक्र (सप्तमेश, द्वादशेश)
- **धनुः** बुध (सप्तमेश, दशमेश)
- **मीनः** बुध (चतुर्थेश, सप्तमेश)

अगर सौम्य ग्रह मारकेश नहीं है तो केन्द्रेश होते हुए भी केन्द्राधिपत्य दोष नहीं लगेगा जैसे की कर्क और सिंह लग्न में शुक्र।

ये केन्द्राधिपत्य दोष से दूषित ग्रह अगर किसी त्रिकोणेश से सम्बन्ध करें तो योगकारी हो जाता है परन्तु मारक-प्रसंग में मारक फल तो देगा ही।

कोई भी क्रूर ग्रह सप्तमेश होकर केन्द्राधिपति नहीं हो सकता अतः उसको केन्द्राधिपत्य दोष भी नहीं लगता।

फलः

केंद्राधिपत्य दोष से दूषित ग्रह के शुभ फल में कमी आ जाती है। आप इस तरह समझिए की अगर कुंडली में किसी ग्रह को उसकी स्तिथि के आधार पर कुछ शुभ अंक दिए जाएँ तो उसमें से कुछ अंक कम हो जाएंगे। इससे डरने जैसी कोई बात नहीं है।

उपायः

केंद्र भाव के अधिपति भगवान विष्णु हैं। जब भी केंद्राधिपत्य दोष से दूषित ग्रह की दशा आये तो भगवान विष्णु की नित्य आराधना करें।

सौम्य ग्रह (गुरु, बुध, शुक्र, चन्द्र) यदि मारकेश (सप्तमेश) होकर केन्द्रेश होते हैं तो इनको शुभत्व प्राप्त न होकर केन्द्राधिपत्य दोष लग जाता है।

खबर संक्षेप

जयराम महतो की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

रांची। अपने बयानों और तेवरों से चर्चा में रहने वाले जेएलकेएम नेता और डुमरी विधायक जयराम महतो की परेशानी बढ़ती हुई नजर आ रही है। उनकी पार्टी जेएलकेएम पर विधानसभा चुनाव के दौरान विदेशी फंडिंग लेने का आरोप लगा है। पश्चिम बंगाल निवासी राहुल बनर्जी ने ईमेल भेज कर शिकायत की है कि विधानसभा चुनाव के दौरान जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम ने विदेशी फंडिंग लिया है। इस ईमेल के साथ शिकायतकर्ता ने कुछ दस्तावेज भी साझा किये हैं जिनमें लोगों की लिस्ट जारी की गई है और उसके साथ कितने पैसे लिए गए हैं यह बताया गया है। इस लिस्ट के हिसाब से साउदी अरब में रह रहे लोगों ने पैसे भेजे हैं। चुनाव के दौरान जयराम महतो द्वारा जारी किया गया क्यूआर कोड भी इसमें लगाया गया है।
चुनाव आयोग ने इस मामले में बोकारो डीसी को पत्र लिखकर जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। बता दें कि कोई भी राजनीतिक पार्टी विदेशी फंडिंग नहीं ले सकते। कोई भी राजनेता विदेशों से पैसे नहीं ले सकता। इस पत्र में लिखा गया राहुल बनर्जी द्वारा उपलब्ध किये गए सबूतों की जांच की जाए। वहीं शिकायतकर्ता ने अपने मेल में चुनाव आयोग से मांग की है कि जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम की मान्यता रद्द की जाए और चुनाव प्रक्रिया से उन्हें बाहर किया जाए।

मेडिकल कॉलेज की कॉपी जांच करने में 6 दिन गायब रही कॉपी

पलामू। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज की कॉपी रिम्स द्वारा जांच के बाद संबंधित पदाधिकारी को सौंप दिया गया था, लेकिन छह के दिनों बाद विश्वविद्यालय में जमा किया। इस मामले में जांच के बाद कई खुलासा होने की आंशका है। जानकारी के अनुसार, मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज पलामू के सत्र 2021-25 के सेकेंड इयर की परीक्षा जुलाई में हुई थी। कॉपी जांच के लिए रिम्स रांची भेजा गया था। कॉपी जांच होने के बाद विश्वविद्यालय के द्वारा 26 नवंबर को 98 छात्रों की कॉपी रिम्स से प्राप्त किया गया था। लेकिन कॉपी प्राप्त करने के छह दिन बाद विश्वविद्यालय में जमा किया गया है। सूत्रों के अनुसार रिम्स द्वारा 26 नवंबर को मेडिकल कॉलेज की कॉपी जांच कर दो दिसंबर को शाम चार बजे विश्वविद्यालय के पदाधिकारी डॉ एमके दीपक के द्वारा प्राप्त किया गया था। डॉ दीपक ने छह दिन बाद उजले रंग की नेक्सोन कार संख्या जेएच 01 डीएच 8743 से उतार कर विश्वविद्यालय में जमा किया है।

वाराणसी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

- जिंदा जले रिटायर एयरफोर्स कर्मी
- धुआं देख पड़ोसियों ने पुलिस को दी जानकारी

वाराणसी। सारनाथ थाना क्षेत्र के शिव विहार कॉलोनी में सोमवार को घर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। घटना में रिटायर एयरफोर्स कर्मी दया शंकर गुप्ता (80) की झुलसकर मौत हो गई। आसपास के लोगों ने आग पर पानी डालने के साथ घटना की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। सूचना पर डीसीपी वरुणा जोन टी. सरवणन, एसीपी सारनाथ डॉ. अतुल कुमार अंजान सारनाथ और जैतपुरा थाने की फोर्स मौके पर पहुंची। घर के अंदर दया शंकर गुप्ता का शव बिस्तर पर पड़ा था। दया शंकर सिंह बुरी तरह झुलस चुके थे। मामले की जानकारी पाकर लालपुर इलाके में रहने वाली उनकी बेटी शशिकला मौके पर पहुंची। पिता का शव देख कर बदहवास हो गई। दया शंकर गुप्ता के दो लड़के हैं। जो परिवार के साथ बंगलूरू में रहते हैं। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुट गई।

2010 में एयरफोर्स से हुए थे रिटायर

शिव बिहार कॉलोनी में रहने वाले दया शंकर गुप्ता सन 2010 में एयरफोर्स में एमओडब्लू (मेडिकल वारंट आफिसर) पद से रिटायर हुए थे। उन्हें दो बेटे राजेश और अरविंद और दो बेटियां हैं। बेटे बंगलूरू में अपने परिवार के साथ रहते हैं। मौके पर पहुंची बेटी शशिकला ने बताया कि वह अक्सर घर पर आती जाती रहती थी। बीते 9 दिसंबर को भी वह अपने पिता से मिलने आई थी। बच्चे अक्सर दया शंकर से साथ में रहने के लिए कहते थे, लेकिन वह घर छोड़ कर जाने को तैयार नहीं थे।

घर में अकेले रहते थे दया शंकर

बता दें कि सारनाथ स्थित तपोवन आश्रम के पास शिव बिहार कॉलोनी में दया शंकर गुप्ता मकान बनवा कर रहते थे। घर के बाहरी हिस्से में दया शंकर गुप्ता मेडिकल स्टोर चलाते थे। आस-पास के लोगों ने बताया कि दोपहर तीन बजे के करीब दया शंकर के घर से धुआं निकलता देख लोग चहारदीवारी फांद कर अंदर गए तो देखा कि पूरा घर धुएं से भरा है। लोगों ने पानी डाल कर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग की लपटें शांत नहीं हुई। बाद में मौके पर फायर ब्रिगेड के जवान पहुंचे और करीब 40 मिनट में आग पर काबू पाया।

यूपी में शीतलहर पर कुछ दिन के लिए लगेगी लगाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में चल रही शीतलहर पर फिलहाल कुछ दिन लगाम लगने वाली है। पूर्वा हवाओं के असर से पिछले 24 घंटे में राजधानी लखनऊ समेत यूपी के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री तक बढ़त देखने को मिली है। राजधानी लखनऊ में रविवार की रात न्यूनतम तापमान में लगभग दो डिग्री की बढ़त देखने को मिली और न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री दर्ज किया गया जबकि शनिवार की रात यहां न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री था। अयोध्या में भी एक डिग्री की बढ़त के साथ न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार की रात बलिया, चुर्क, अयोध्या, अमेठी और झांसी शीतलहर की चपेट में रहें। वहीं, घने कोहरे की वजह से सोमवार को कानपुर, अमेठी, बरेली, बहराइच आदि में दृश्यता 300 मीटर के आसपास तक सिमट गई। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार से पुरवाई जोर पकड़ेगी और तापमान में मामूली बढ़त के साथ प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मध्यम से घना कोहरा देखने को मिलेगा।

बदायूं में युवक की हत्या

- प्रेमिका के पिता समेत पांच पर रिपोर्ट
- रेलवे ट्रैक पर मिली थी सिर कटी लाश

बदायूं। बदायूं के उझानी थाना क्षेत्र में देवरमई बुटला खंजन निवासी भूपेंद्र उर्फ साजन की मौत के मामले में पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। परिवार वालों का आरोप है कि युवक की हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फेंका गया था। कोतवाली क्षेत्र के गांव देवरमई बुटला खंजन निवासी भूपेंद्र उर्फ साजन राजस्थान में काम करता था। एक दिसंबर को वह ट्रेन से राजस्थान से गांव लौट रहा था। रास्ते में उसकी घरवालों से बात भी हुई थी। उझानी के पास ही उसका शव कछला-वितरोई के बीच रेलवे ट्रैक पर मिला था। युवक का सिर धड़ से अलग था।

उच्च अधिकारियों से मिले थे परिजन

युवक के परिजनों ने हत्या का आरोप शव मिलने के बाद ही लगाना शुरू कर दिया था, लेकिन कोतवाली पुलिस ने ट्रेन की चपेट में आने से मौत बताते हुए रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी। इसके बाद मृतक के भाई राजकुमार समेत परिवार के लोग अपर पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक से मिले और पुलिस पर रिपोर्ट दर्ज नहीं करने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा था। इसके बाद पुलिस ने राजकुमार की ओर से गांव के लालाराम, उसके बेटे देवेंद्र, दामाद, साले और साढ़ू सोनपाल के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली।

फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से लिए नमूने

भूपेंद्र उर्फ साजन की हत्या की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद प्रभारी निरीक्षक नीरज मलिक की सूचना पर सोमवार पूर्वाह्न फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मौका मुआयना करने के बाद रेलवे ट्रैक और ट्रैक के किनारे से नमूने लिए। शव बरामदगी के दौरान की वीडियो पर भी गौर किया गया। करीब एक घंटे तक मौके पर रही फॉरेंसिक टीम ने वीडियोग्राफी भी की। फॉरेंसिक जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।

गोरखपुर रेलवे भर्ती बोर्ड पहुंची दिल्ली विजिलेंस टीम

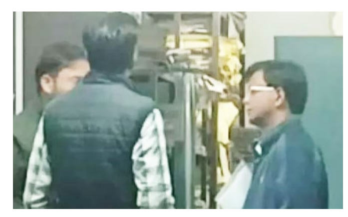

गोरखपुर। सोमवार की दोपहर में गोरखपुर आरआरबी दफ्तर पर दिल्ली विजिलेंस की टीम ने छापा मारा है। इसके पहले सीपीओ ऑफिस गई और वहां से टीम रेलवे भर्ती बोर्ड पहुंची। मेन गेट पर लगाया गया ताला अंदर चल रही जांच। टीम के साथ गोरखपुर की विजिलेंस भी गई है। दो रेलवे कर्मचारी की फर्जी भर्ती को लेकर जांच चल रही है। मामले में आरआरबी चेयरमैन पर भी कार्रवाई की जा चुकी है।

फिल्मी स्टाइल में गिरफ्तारी

डॉक्टर व नर्स बनकर बगल के कमरे में रुके दो पुलिसकर्मी

प्रयागराज। बंगलूरू पुलिस ने निकिता की मां व भाई की गिरफ्तारी बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में की। बंगलूरू पुलिस के दो जवान एक दिन पहले इसी होटल में डॉक्टर व नर्स बनकर ठहरे। रात भर मां-बेटे पर नजर बनाए रहे और सुबह होते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुख्ता सूत्रों के मुताबिक, 13 दिसंबर को जौनपुर स्थित आरोपियों के घर पर नोटिस चस्पा करने के बाद तलाश में जुटी बंगलूरू पुलिस की टीम को उसी दिन मां-बेटे की लोकेशन मिल गई। इसके बाद देर रात दो बजे के करीब बंगलूरू पुलिस के दो पुलिसकर्मी मदर शिवप्पा व विनीथा ए डॉक्टर व नर्स बनकर होटल में पहुंचे। बातचीत के दौरान ही उन्होंने गेस्ट रजिस्टर मांगा और उसके एक पन्ने की फोटो भी खींच ली। मां-बेटे कमरा नंबर 111 में ठहरे हुए थे जबकि यह दोनों कमरा नंबर 101 व 108 में ठहरे। रात भर दोनों सोए नहीं और इधर उधर टहलते रहे। सुबह आठ बजे के करीब वह मां-बेटे के कमरे में पहुंच गए और फिर उनसे लंबी बातचीत की। 11 बजे के करीब उन्होंने होटल से ही कैब बुक की और दोपहर में वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद उन्हें लेकर रवाना हो गए।

जिला पुलिस से नहीं किया संपर्क

देश भर में चर्चा का विषय बने इस मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी का ऑपरेशन बंगलूरू पुलिस ने इतना गोपनीय रखा कि स्थानीय पुलिस को भी इसकी भनक नहीं लगने दी। न ही कोई संपर्क किया। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि इस मामले में बंगलूरू पुलिस ने कोई संपर्क नहीं किया। न ही गिरफ्तारी संबंधी कोई जानकारी दी। निकिता की मां व भाई के झूंसी स्थित होटल में रहने की पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से भी हुई है।

स्मार्ट मीटर में बिलिंग की समस्या होगी दूर

रांची में 17 से लग रहा है कैंप

रांची। बिजली उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी है. खासकर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा चुके यूजर्स को. बिलिंग, मोबाइल नंबर टैगिंग और अन्य शिकायतों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार डेढ़ माह तक विशेष कैंप लगाने का फैसला किया गया है. राजधानी रांची में 17 दिसंबर से 31 जनवरी तक लगातार विशेष कैंप लगेगा. यह जानकारी रांची के अधीक्षण अभियंता डीएन साहू ने दी. उन्होंने बताया कि छुट्टी के दिनों को छोड़कर सभी वर्किंग डे में दिन के 11 बजे से 3 बजे तक सभी पावर सबस्टेशन और विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल में कैंप लगाए जाएंगे।

व्यापार जगत

आईजीआई से 150 जगहों के लिए विमान सेवा उपलब्ध

- इतनी उड़नों का संचालन करने वाला देश का पहला एयरपोर्ट बना

एजेंसी । नई दिल्ली

आईजीआई एयरपोर्ट देश का पहला ऐसा हवाई अड्डा बन गया है जहां से 150 जगहों के लिए विमान सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। रविवार को थाई एयर एशिया एक्स ने दिल्ली से बैंकॉक-डॉन म्युंग के लिए अपनी विमान सेवा शुरू की है। यह विमान सेवा फिलहाल सप्ताह में दो दिन है। इसे जनवरी 2025 तक सप्ताह में चार दिन किया जाएगा। एयरपोर्ट संचालन कंपनी डायल के अनुसार, दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार काम किए जा रहे हैं। 150 जगहों के लिए उड़ान उपलब्ध कराना, उनकी मेहनत को दर्शाता है। बीते वर्षों के दौरान दिल्ली एयरपोर्ट से फ्रोम पेन, बाली डेंपसर, कैलगरी, मॉट्रेल, वाशिंगटन डुल्स, शिकागो और टोक्यो सहित लगभग 20 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को जोड़ा गया है।

> 150 गंतव्यों को जोड़ने का यह मील का पत्थर हमारी अटूट प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। यात्रियों को विश्व के विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ने एवं उन्हें विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान कराया जा रहा है। हमें भारत को विमानन क्षेत्र के एक नए युग में ले जाने पर गर्व है।
> -विदेह कुमार जयपुरिया, सीईओ, डायल

दिल्ली एयरपोर्ट है पसंदीदा विकल्प

अधिकारियों के अनुसार, लंबी दूरी के यात्रियों के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पसंदीदा विकल्प है। भारत से लंबी दूरी की 88 फीसदी यात्राएं अकेले दिल्ली एयरपोर्ट से जुड़ी हुई है। भारत से प्रस्थान करने वाली सभी लंबी दूरी की साप्ताहिक उड़ानों में से 56 फीसदी उड़ानें दिल्ली एयरपोर्ट से संचालित हैं।

रुपया नौ पैसे गिरकर सबसे निचले स्तर पर

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे गिरकर 84.89 (अस्थायी) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कमजोर घरेलू बाजारों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के कारण भारतीय रुपये में गिरावट आई। हालांकि, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी ने इस गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.83 पर खुला और कारोबार के अंत में यह डॉलर के मुकाबले नौ पैसे गिरकर 84.89 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

कमजोर रुख से सेंसेक्स 385 अंक लुढ़का

मुंबई। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच सोमवार को स्थानीय शेयर बाजार में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 384 अंक से अधिक नीचे आ गया। कारोबारियों के अनुसार, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व इस सप्ताह नीतिगत दर पर निर्णय लेगा। इसको देखते हुए निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया जिससे वैश्विक बाजार में नरमी रही। इसका असर घरेलू बाजार पर भी पड़ा। इसके अलावा, रुपये में गिरावट और चीन में कमजोर आर्थिक आंकड़ों के बीच धातु तथा आईटी शेयरों में बिकवाली दबाव से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। सेंसेक्स 384.55 अंक की गिरावट के साथ 81,748.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 581.84 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी भी 100.05 अंक की गिरावट के साथ 24,668.25 अंक पर बंद हुआ।

एशियाई और यूरोपीय बाजारों का असर

जानकारों ने कहा, घरेलू शेयर बाजार पर एशियाई और यूरोपीय बाजारों का असर पड़ा और इनमें गिरावट आई। निवेशकों को इस सप्ताह जारी होने वाली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक के नतीजे का इंतजार है। हालांकि, नीतिगत दर में कटौती होनी है, लेकिन चीन में कमजोर आर्थिक आंकड़ों और डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख देशों पर आयात शुल्क लगाने के फैसले से पहले निवेशकों में भरोसे की कमी है।

नवंबर में व्यापार घाटा बढ़कर 3.21 लाख करोड़ रहा

- मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 4.85% कम हुआ
- इंपोर्ट 27.04% बढ़ी इससे ट्रेड डेफिसिट बढ़ा

नई दिल्ली। नवंबर में भारत का मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट बढ़कर 37.84 बिलियन डॉलर (करीब 3.21 लाख करोड़ रुपए) रहा। अक्टूबर में यह 27.1 बिलियन डॉलर (करीब 2.30 लाख करोड़ रुपए) रहा था। नवंबर में भारत का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 4.85% घटकर 32.11 बिलियन डॉलर (2.73 लाख करोड़ रुपए) रहा, जबकि इंपोर्ट 27.04% बढ़कर 69.95 बिलियन डॉलर (5.94 लाख करोड़ रुपए) रहा। अक्टूबर में यह एक्सपोर्ट 39.2 बिलियन डॉलर (3.33 लाख करोड़ रुपए) और इंपोर्ट 66.34 बिलियन डॉलर (5.63 लाख करोड़ रुपए) रहा था।

सोना-चांदी में मामूली गिरावट

- सोना 14 रुपए गिरकर 76908 पर आया
- चांदी 89515 रुपए किलो बिक रही

एजेंसी । मुंबई

सोने-चांदी के दाम में 16 दिसंबर को मामूली गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरट गोल्ड का भाव 14 रुपए गिरकर 76,908 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,922 रुपए प्रति दस ग्राम थी। चांदी का भाव भी 461 रुपए गिरकर 89,515 रुपए पर आ गया। रविवार को चांदी 89,976 रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,040 रुपए है।
मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपए है।
कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,890 रुपए है।
चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

रिटर्न न भरने वालों से 37 हजार करोड़ वसूले

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने पिछले 20 महीनों में ऐसे लोगों से 37,000 करोड़ वसूले हैं, जो करयोग्य आय होने के बावजूद रिटर्न दाखिल नहीं कर रहे थे। मामले से जुड़े सूत्रों के मुताबिक ऊंचे मूल्य वाले लेन-देन की रिपोर्ट मिलने पर कर विभाग ने ऐसे लोगों की पहचान की। बताया गया है कि यह खर्च नकदी में किया गया था। इन लोगों ने 2019-20 के दौरान महंगे रत्न और आभूषणों की खरीद, प्रॉपर्टी और लग्जरी विदेश प्रवास पर जमकर खर्च किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार ये ऐसे मामले हैं, जहां लोग बड़ी खरीदारी करने के बावजूद टैक्स रिटर्न दाखिल नहीं कर रहे थे। विभाग ने पिछले 20 महीनों में उनसे संपर्क किया था। अधिकारी ने कहा कि विभाग उन करदाताओं से संपर्क साध रहा है जिनका खर्च और आईटी रिटर्न में मेल नहीं बैठ रहा।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉन्सिबिलिटी है

शीर्ष क्रम ढहा, टीम इंडिया बैकफुट पर

- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए
- बारिश के खलल के बीच भारत ने 51 रन में चार विकेट गंवाए

एजेंसी । ब्रिस्बेन

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय बल्लेबाजों की दूसरे टेस्ट की निराशाजनक फॉर्म तीसरे टेस्ट में भी बरकरार है। मेहमान टीम का शीर्ष क्रम मुश्किल परिस्थितियों में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में नाकाम रहा। इससे वर्षा से प्रभावित तीसरे दिन सोमवार को भारतीय टीम पहली पारी में 51 रन तक चार विकेट गंवाकर संकट में पहुंच गई थी। अब टीम इंडिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती फॉलोआन बचाने की है। स्टंप्स के समय भारत के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल 33 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि दूसरे छोर पर कप्तान रोहित शर्मा ने अभी खाता नहीं खोला है।

वर्षा फिर बनी बाधा

बारिश के लगातार खलल के बीच कई बार खेल रुका और फिर शुरू हुआ। जसप्रीत बुमराह ने हालांकि कुल छह विकेट चटकाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 445 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचने में सफल रहा। ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 405 रन से खेलते हुए 40 रन और जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट भी गंवा दिए। एलेक्स कैरी ने 88 गेंद में 70 रन की पारी खेली। वह आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे जबकि कल ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने विपरीत अंदाज में शतक जड़कर ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर की नींव रखी थी।

शुरू से लगे झटके

ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर के जवाब में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (दो विकेट) ने दो और जोश हेजलवुड (एक विकेट) ने एक विकेट लिया जिससे भारत ने लंच तक 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (एक विकेट) ने दूसरे सत्र में ऋषभ पंत (09) का बड़ा विकेट लेकर भारत की हालत और खराब कर दी। भारतीय पारी के दौरान ऑस्ट्रेलियाई दबदबे के बीच कई बार बारिश के कारण खेल रोका गया और फिर शुरू हुआ लेकिन अधिक ओवर नहीं फेंके जा सके।

बुमराह के ऑस्ट्रेलिया में पचास विकेट

जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में 50 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले कपिल देव ने यहां 51 विकेट लिए थे। इशांत शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 51 विकेट हासिल करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। इसके साथ ही बुमराह सबसे कम गेंदों में 50 विकेट लेने वाले गेंदबाजों में तीसरे स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया में सबसे कम गेंदों में 50 विकेट लेने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	मैच	गेंदें
ब्रेट ली	11	2061
रिचर्ड हेडली	09	2117
जसप्रीत बुमराह	10	2141
ज्योफ लॉसन	11	2177
रोडनी हॉग	08	2188

कैरी का नौवां अर्धशतक

कैरी ने 45 रन की अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए रवींद्र जडेजा की गेंद पर फाइन लेग की ओर चौका लगाकर 53 गेंद में अपना 9वां अर्धशतक पूरा किया। इसके अलावा उन्होंने इस मैच से पहले तक 34 टेस्ट में एक शतक भी लगाया था। अब उनके नाम 35 टेस्ट में कुल 1481 रन दर्ज हो गए हैं।

विकेट नहीं ले सके जडेजा

अपनी सटीक गेंदबाजी से एक छोर पर रन गति पर अंकुश लगाने के लिए पहचाने जाने वाले भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने करीब चार रन प्रति ओवर की दर से रन दिए। उनके इस प्रदर्शन से तेज गेंदबाजों पर अतिरिक्त बोझ आया। उन्होंने 23 ओवर में 95 रन लुटाए लेकिन कोई विकेट नहीं झटक सके। उनके अलावा चारों मेहमान गेंदबाज विकेट लेने में सफल रहे। गाबा की सतह पर थोड़ा टर्न और उछाल था लेकिन जडेजा बाएं हाथ के बल्लेबाजों को बहुत सीधी गेंदबाजी करने के भी दोषी रहे।

जूनियर एशिया कप

दीपिका ने सफलता का श्रेय साथी खिलाड़ियों को दिया

- 12 गोल सर्वाधिक दीपिका ने टूर्नामेंट में किए
- 01 मैच में ही भारतीय टीम को हार झेलनी पड़ी

एजेंसी । बेंगलुरु

भारत की महिला जूनियर एशिया कप जीत की सूत्रधार रहीं दीपिका ने सफलता का श्रेय टीम के सामूहिक प्रयास को दिया। उन्होंने कहा कि यह उनकी साथी खिलाड़ियों के समर्थन के बिना संभव नहीं होता। दीपिका ने टूर्नामेंट का समापन शीर्ष गोल स्कोरर के रूप में किया और उनके नाम 12 गोल रहे जिसमें से पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए। भारत ने रविवार को मस्कट में महिला जूनियर एशिया कप हॉकी के फाइनल में पेनाल्टी शूटआउट में तीन बार के चैंपियन चीन को 3-2 (1-1) से हरा लगातार दूसरा खिताब जीता था।

सबने कड़ी मेहनत की

शुरुआती चार मैच में 11 गोल करने वाली दीपिका ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, मैं खुश हूं कि मैं गोल करने में सफल रही लेकिन यह मेरी साथियों की मदद के बिना संभव नहीं होता। शिविर में हर खिलाड़ी ने बहुत मेहनत की और सभी के प्रयास के बिना हम खिताब नहीं जीत पाते। अग्रिम पंक्ति की अन्य खिलाड़ियों की बदौलत हमने कई पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए और मैं उन्हें गोल में बदलने में सफल रही। टीम के युवा खिलाड़ियों की क्षमता पर दीपिका ने कहा, कुछ युवा खिलाड़ियों में अविश्वसनीय क्षमता है और मुझे यकीन है कि वे टीम की सफलता को और आगे बढ़ाएंगे। कप्तान ज्योति सिंह ने कहा, मुझे खुशी है कि हमने पूरे टूर्नामेंट में शायद ही कोई गलती की और मुझे अपनी साथियों पर इतने उच्च स्तर का प्रदर्शन करने पर गर्व है। फाइनल में चीन का सामना करना एक चुनौती थी लेकिन हमने मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और ट्रॉफी जीतकर लाए। उन्होंने कहा, दीपिका ने शानदार प्रदर्शन किया। कनिका सिवाच, सुनीता टोप्पो और मुमताज खान ने भी आक्रमण में अच्छा प्रदर्शन किया और दीपिका को गोल करने में सहायता की ।भारत पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा जिसमें चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश भी शामिल थे।

विश्व चैंपियनशिप में मानसिक, भावनात्मक दबाव से निपटना महत्वपूर्ण : गुकेश

- विश्व चैंपियन बनने के बाद गृहनगर लौटने पर प्रशंसकों और अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया

एजेंसी । चेन्नई

शतरंज की बिसात पर शहंशाह बन चुके विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने खुलासा किया है कि विश्व चैंपियनशिप में उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान 'भावनात्मक दबाव पर काबू पाने में मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने उनकी काफी मदद की।

चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र में चैंपियन बनने वाले 18 वर्षीय गुकेश का सोमवार को यहां गृहनगर पहुंचने पर प्रशंसकों और अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। गुकेश ने अपने बचपन के स्कूल वेलाम्मल विद्यालय द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, शतरंज सिर्फ 64 खानों की बिसात वाले खेल की रणनीति के बारे में नहीं है। इससे निपटने के लिए बहुत सारे मानसिक और भावनात्मक दबाव होते हैं। पैडी ने इसमें मेरी काफी मदद की है।अपटन एक जाने माने मानसिक अनुकूलन कोच हैं। उन्होंने सिंगापुर में 14 बाजियों के विश्व चैंपियनशिप मुकाबले के दौरान गुकेश के साथ काम किया था। गुकेश ने कहा, उन्होंने मुझे जो सुझाव दिए, वह एक खिलाड़ी के रूप में मेरे विकास के लिए काफी अहम रहे हैं।

टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा

गुकेश ने 2011 क्रिकेट विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम और पेरिस ओलंपिक में कांस्य विजेता राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के साथ काम करने वाले अपटन से जुड़ाव के बारे में कहा, पैडी मेरी टीम का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। कैंडिडेट्स (अप्रैल) जीतने के बाद, मैंने संदीप सर (वेस्टब्रिज कैपिटल के संदीप सिंघल) से मानसिक अनुकूलन कोच की मांग की थी। उन्होंने पैडी से संपर्क कराया जिनके पास शानदार प्रदर्शन करने वाले एथलीटों के साथ काम करने का काफी अनुभव है। गुकेश के चैंपियन बनने के बाद अपटन ने इस खिलाड़ी की जागरूकता' की सराहना की थी। उन्होंने कहा था, मुझे लगता है कि गुकेश के साथ काम करने में सबसे शानदार बात उनकी जागरुकता का स्तर था। मेरी कोशिश यह परखने की थी कि वह अपने विचारों पर कैसी प्रतिक्रिया दे रहा है। शतरंज की बिसात पर जरूरत से ज्यादा सोचते समय भी उन्होंने परिपक्व जागरूकता दिखाई। अगर उनका दिमाग भटका भी तो उन्होंने ने तुरंत काबू पा लिया।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को दिया 658 रन का लक्ष्य

एजेंसी । हैमिल्टन

इंग्लैंड के तीसरे क्रिकेट टेस्ट में न्यूजीलैंड की टीम जीत की दहलीज पर पहुंच गई है। मेजबान टीम ने मैच के तीसरे दिन केन विलियम्सन के 156 रन की मदद से 657 रन की विशाल बढ़त बनाने के बाद दोनों सलामी बल्लेबाजों को सस्ते में आउट कर दिया। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 453 रन बनाए जबकि पहली पारी में उसके पास 204 रन की बढ़त थी। मेहमान टीम पहली पारी में 143 रन पर सिमट गई थी।

केन का 33वां शतक

इससे पहले विलियम्सन ने अपने करियर का 33वां और सेडोन पार्क पर सातवां शतक लगाया। अपने घरेलू मैदान पर यह उनका लगातार पांचवां शतक है। उन्होंने 204 गेंदों की पारी में 20 चौके और एक छक्का लगाया। उन्होंने 137 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के के साथ शतक और 196 गेंद में 150 रन पूरे किए। विलियम्सन ने रचिन रविंद्र (44) के साथ 107 और डेरिल मिचेल (60) के साथ 92 रन की साझेदारी की। इस दौरान स्टोक्स जब अपने 13वें ओवर की दूसरी गेंद फेंक रहे थे तब फॉलोथ्रू में उनके बाएं पैर में हैमस्ट्रिंग चोट लग गई। वह तकलीफ के कारण चेहरे को हाथों से छिपाकर मैदान से चले गए। उन्हें अगस्त में द हंड्रेड सीरीज में भी बायें हैमस्ट्रिंग में गंभीर तकलीफ हुई थी और बैसाखियों के सहारे मैदान से जाना पड़ा था।

स्टोक्स मैदान से बाहर

इंग्लैंड को एक और झटका लगा जब कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के फिर उभरने से मैदान से चले गए। इंग्लैंड ने पांच ओवर खेलकर दो विकेट 18 रन पर गंवा दिए। टिम साउदी ने बेन डकेट (चार) को दूसरे ओवर में आउट कियाॉ। वहीं जैक क्राउली (पांच) को सीरीज में छठी बार मैट हेनरी ने पवेलियन भेजा। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर जैकब बेथेल नौ रन बनाकर खेल रहे थे जबकि जो रूट ने अभी खाता नहीं खोला है।

मैनचेस्टर युनाइटेड ने पिछड़ने के बाद मैनचेस्टर सिटी को हराया

एजेंसी । मैनचेस्टर

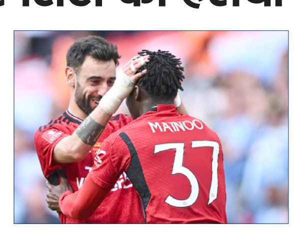

मैनचेस्टर युनाइटेड ने अमाद डायलो ने 90वें मिनट में दागे गोल की मदद से जोरदार वापसी करते हुए प्रीमियर लीग फुटबॉल में रविवार को मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से हरा दिया। चार बार की गत विजेता सिटी ने 88वें मिनट तक 1-0 की बढ़त बनाए रखी थी लेकिन ब्रूनो फर्नांडीस ने पेनाल्टी पर बराबरी कर मैच का रुख बदल दिया। फिर डायलो ने विजयी गोल दागकर युनाइटेड की जीत सुनिश्चित की। सिटी की पिछले 11 मैच में यह आठवीं हार है। इस जीत के बावजूद युनाइटेड की टीम 22 अंक के साथ 13वें जबकि सिटी की टीम 27 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। दूसरे स्थान पर रहे चेल्सी ने ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ 2-1 की जीत के बाद शीर्ष पर चल रहे लीवरपूल से अंकों के अंतर को दो तक सीमित कर दिया है। लीवरपूल के 36 अंक हैं।

बदलाव के दौर से गुजर रही टीम, एक दूसरे पर ऊंगली नहीं उठाएंगे : बुमराह

एजेंसी । ब्रिस्बेन

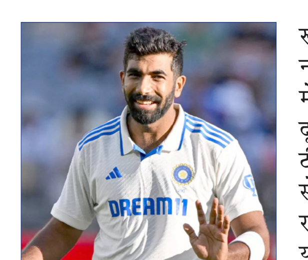

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में खराब दौर से जूझ रही भारतीय टीम का बचाव करते हुए अपने पर अतिरिक्त दबाव की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और अनुभवी होने के नाते अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाना उनका काम है। तीसरे टेस्ट में मेजबान की पहली पारी में 445 रन के जवाब में भारत के चार विकेट 51 रन पर गंवाने के बाद बल्लेबाजों की तकनीक और बुमराह के अलावा गेंदबाजों के स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। बुमराह ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, टीम के रूप में हम एक-दूसरे पर सवाल नहीं उठाते। हम उस मानसिकता में नहीं पड़ना चाहते जहां एक-दूसरे पर ऊंगली उठाई जाए। हम टीम के रूप में बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। नए खिलाड़ी आ रहे हैं और क्रिकेट खेलने के लिए यह सबसे आसान जगह नहीं है। विकेट अलग तरह की है और माहौल अलग है। सीरीज में 18 विकेट ले चुके बुमराह ने कहा, मैंने दूसरों से अधिक क्रिकेट खेली है तो मैं उनकी मदद की कोशिश कर रहा हूं। हम सभी सीखने की कोशिश कर रहे हैं और प्रदर्शन बेहतर होगा। सफर में इन सब चीजों से गुजरना होता है।

आयुष्मान खुराना का एक और धमाल

वाईआरएफ-पोशम पा के सहयोग की पहली फिल्म का बने हिस्सा

भारत के टॉप प्रोडक्शन हाउस में से एक यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने हाल ही में 'पोशम पा पिक्चर्स' के साथ एक रचनात्मक सहयोग की घोषणा की। यह साझेदारी सिनेमा के लिए नवीन और व्यापक कंटेंट तैयार करेगी। अब, यह बताया गया है कि इस सहयोग की पहली थ्रिलर फिल्म में अभिनेता आयुष्मान खुराना अभिनय करेंगे। हालांकि, फिल्म का शीर्षक अभी तक तय नहीं हो सका है।

फिल्म पर कब शुरू होगा काम?

फिल्म अपने प्री-प्रोडक्शन चरण में है और 2025 की पहली छमाही में फिल्मांकन शुरू हो जाएगा। प्रोजेक्ट से जुड़े अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, 'ऐसे प्रोजेक्ट का नेतृत्व करने के लिए आयुष्मान से बेहतर कोई विकल्प नहीं है, जिसका उद्देश्य दर्शकों को शुरुआत से ही बांधे रखना है। उन्होंने पहले भी इस जॉनर में सफलता देखी है, और जैसा कि सिनेमा के आधुनिक युग में कंटेंट का स्तर बढ़ रहा है, निर्माता दर्शकों के बीच अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।'

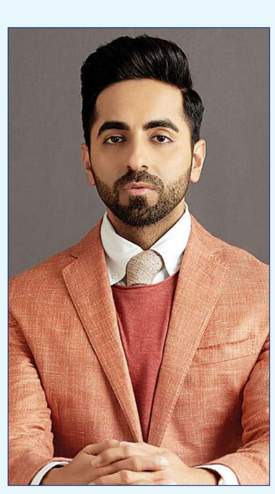

समीर सक्सेना संभालेंगे निर्देशन की कमान

आगामी थ्रिलर का निर्देशन समीर सक्सेना द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने 'काला पानी' और 'मामला लीगल है' जैसी प्रशंसित फिल्में बनाई हैं। यह फिल्म सीईओ अक्षय विधानी के नेतृत्व में यशराज फिल्म्स के लिए एक नए रचनात्मक व्यवसाय मॉडल का भी प्रतीक है। एक निर्माता के रूप में, विधानी यशराज फिल्म्स के भीतर एक स्टूडियो मॉडल स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। मोहित सूरी द्वारा निर्देशित, अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत एक युवा प्रेम कहानी के बाद यह उनका दूसरा प्रोडक्शन वेंचर होगा। वर्तमान में, आयुष्मान खुराना अपनी अगली फिल्म 'थामा' की शूटिंग कर रहे हैं, जो मैडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म है।

'पालात लोक' में जयदीप का धांसू अवतार

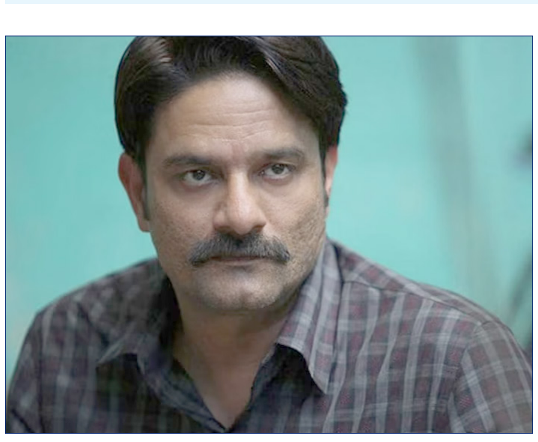

जयदीप अहलावत और अभिषेक बनर्जी की लोकप्रिय और चर्चित वेब सीरीज 'पाताल लोक' के दूसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है। इस सीरीज का पहला सीजन 15 मई, 2020 को OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था और इसमें कुल 9 एपिसोड थे। लगभग 4 साल बाद इसका दूसरा सीजन आ रहा है। अब निर्माताओं ने 'पाताल लोक 2' का पहला प्रोमो वीडियो जारी कर दिया है, जिसमें जयदीप का धांसू अवतार दिख रहा है। 'पालाक लोक 2' जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। OTT प्लेटफॉर्म ने प्रोमो साझा करते हुए लिखा, 'मौसम बदलने वाला है। सावधानः आगे पाताल लोक है।' 'पालाक लोक 2' से जयदीप की पहली झलक पहले ही सामने आ चुकी है। इस सीरीज में इसमें गुल पनाग, नीरज काबी, स्वास्तिका मुखर्जी, इश्वाक सिंह, निहारिका लायरा दत्त और ऋचा चतुर्वेदी जैसे सितारों ने भी अभिनय किया है।

'गुडाचारी 2' से जुड़ीं मृणाल ठाकुर

पिछले लंबे वक्त से दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता अदिवी शेष अपनी आगामी पैन इंडिया फिल्म 'गुडाचारी 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई स्पाई थ्रिलर फिल्म 'गुडाचारी' का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ। इस फिल्म में अदिवी की जोड़ी श्रुति हासन के साथ बनी है। अब अभिनेत्री मृणाल ठाकुर फिल्म 'गुडाचारी 2' की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है।

नया पोस्टर आया सामने

'गुडाचारी 2' का नया पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें मृणाल और अदिवी की झलक दिख रही है। हालांकि, मृणाल का चेहरा छिपा हुआ है। इस फिल्म को 100 करोड़ रुपये की लागत में बनाया जा रहा है, जो पहले भाग के बजट के मुताबिक बहुत अधिक है। फिल्म का पहला भाग 6 करोड़ रुपये की लागत में बना था और इसने 25 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। अभिनेता इमरान हाशमी भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

जमीन विवाद को लेकर तीन की हत्या

वेटलापलेम। आंध्र प्रदेश के वेटलापलेम में एक घर के निर्माण से जुड़े विवाद को लेकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर दी गई। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। मृतकों की पहचान के. प्रकाश राव, के. चंद्र राव और के. येसु बाबू के तौर पर की गई है। उनके अलावा अन्य चार लोग घायल भी हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा, पीड़ित जिस जमीन पर घर बना रहे थे, उस पर विवाद था। वे कंक्रीट स्लैब बिछाने ही वाले थे कि तभी आरोपियों ने साइट पर उन पर हमला कर दिया। हालांकि, हमलावर की पहचान कर ली गई है। पुलिस ने गांव में सुरक्षा बढ़ा दी है और आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

कॉलेजियम में जल्द पेश होंगे न्यायमूर्ति शेखर यादव

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर कुमार यादव जल्द ही सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सामने पेश हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर को उनके बयान को लेकर समाचार पत्रों की खबरों पर संज्ञान लिया था और हाईकोर्ट से इस संबंध में पूरा ब्योरा तलब किया था। स्थापित प्रथाओं के अनुसार, अगर किसी न्यायाधीश के खिलाफ किसी विवादास्पद मुद्दे पर शीर्ष अदालत की ओर से संबंधित हाईकोर्ट से रिपोर्ट मांगी जाती है, तो उसे सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सामने अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है।

2.57 करोड़ रुपए के जाली नोटों के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

सूरत। गुजरात के सूरत में 2.57 करोड़ की जाली भारतीय मुद्रा के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से तीन महाराष्ट्र निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि चारों को सारोली चेक पोस्ट के पास से शनिवार शाम पकड़ा गया, जब वे तीन बैगों में जाली नोट लेकर जा रहे थे। आरोपियों ने 500 रुपए के जाली नोटों के 43 बंडल और 200 रुपये के जाली नोटों के 21 बंडल बना रखे थे। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने बैंकों व बाजारों में जाली नोटों से अनजान लोगों को ठगने की साजिश रची थी।

अवैध लौह अयस्क निर्यात मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को बड़ी राहत दी है। दरअसल, अदालत ने सोमवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें अवैध लौह अयस्क निर्यात के एक कथित मामले में एक कंपनी और अन्य के खिलाफ 2013 के आपराधिक मामले को रद्द कर दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कर्नाटक हाईकोर्ट की धारवाड़ पीठ से कहा कि वह एम/एस एमएसपीएल लिमिटेड और अन्य द्वारा निर्यात किए गए कथित लौह अयस्क की मात्रा को छोड़कर कुछ मामलों में नए सिरे से फैसला करे। पीठ ने कहा, 'हमने हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया है। पक्षकारों को अगले साल तीन फरवरी को हाईकोर्ट के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया जाता है। हमने मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की है।'

संविधान से नफरत करने वाले इसका पाठ पढ़ा रहे : खरगे

खरगे ने आरएसएस पर भी लगाए गंभीर आरोप, संविधान खतरे में होने का दावा किया

'झूठ आप बोलें, आरोप हम पर'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि काला धन विदेश से वापस लाकर एक-एक व्यक्ति के खाते में 15 लाख रुपये देने का वादा, हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वादा, किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा, क्या हुए नहीं था? उन्होंने कहा कि झूठ आप बोलते हैं, आरोप हम पर लगाते हैं।

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष पर हमला बोला। कहा कि आरएसएस वाले चाहते हैं कि संविधान मनु स्मृति जैसा हो। जो लोग भारत के राष्ट्रीय ध्वज, अशोक चक्र और हमारे संविधान से नफरत करते हैं, वह आज हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आज संविधान खतरे में है।

भारतीय संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए, खरगे ने कहा कि पहली बार 26 जनवरी, 2002 को अदालत के आदेश के बाद आरएसएस के मुख्यालय पर तिरंगा फहराया गया। खरगे ने कहा कि जब संविधान को स्वीकार किया गया तो हमें इसके तहत ही चलना चाहिए। एक दूसरे की खामियां निकाले जाने पर कई बातें निकलेंगी। लोकतंत्र में संसद सत्ता पक्ष और विपक्ष के साथ चलती है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसा कि आज देश में अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और महिलाओं पर अत्याचारों का सिलसिला जारी है, जो बताता है कि संविधान खतरे में है।

खरगे ने कहा कि संविधान सत्ता का नैतिक मार्गदर्शक है और उसका अनुसरण करना चाहिए। जिन लोगों ने देश के लिए आवाज ही नहीं उठाई, देश के लिए लड़ा ही नहीं, वह लोग क्या जानेंगे कि आजादी क्या होती है। उन्होंने सवाल किया कि इस सरकार ने पिछले 11 साल में ऐसा कौन सा काम किया है जिससे देश का लोकतंत्र और संविधान मजबूत हुआ है। खरगे ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम, मनरेगा और शिक्षा का अधिकार अधिनियम कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ले कर आई और आज भी गरीबों के लिए यह कानून मददगार हैं। यहां तक कि कोविड काल में मनरेगा मजदूरों का सबसे बड़ा सहारा था।

मथुरा और झांसी के बीच तीसरी रेलवे लाइन का रास्ता साफ

सुप्रीम कोर्ट ने पेड़ों की कटाई पर लगी रोक हटाई

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को मथुरा और झांसी के बीच रेलवे लाइन के निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई पर लगी रोक हटा ली। इस मामले के सुनवाई के दौरान देश के सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि रेल विकास निगम लिमिटेड ने 50,943 पौधे लगाने का अनिवार्य काम पूरा कर लिया है।

इस मामले को लेकर न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ को केंद्रीय अधिकार प्राप्त

समिति ने सूचित किया कि रेलवे निकाय को 50,943 पौधे लगाने की शर्त पर 5,094 पेड़ काटने की अनुमति 13 मई, 2022 को दी गई थी।

अब पूरा होगा रेल लाइन बिछाने का काम

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि हमने रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा 13 मई, 2022 के आदेश के अनुपालन से संबंधित रिपोर्ट का अवलोकन किया है। यह परियोजना मथुरा और झांसी के बीच तीसरी रेलवे लाइन के संबंध में है। सीईसी की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि 50,943 पेड़ लगाने का अनुपालन किया गया है। हम परियोजना पर 14 अक्टूबर के स्थगन आदेश को खारिज करते हैं। शीर्ष अदालत ने 14 अक्टूबर को पाया था कि प्रतिपूरक वनरोपण नहीं किया गया था, जिसके कारण निर्माण कार्य को रोकना पड़ा। अक्टूबर में, रेलवे निकाय की ओर से पेश वकील ने कहा कि अदालत द्वारा 13 मई, 2022 को 5,094 पेड़ों को गिराने की अनुमति दिए जाने के बाद, इसने उत्तर प्रदेश वन विभाग को अनिवार्य वनरोपण के लिए आवश्यक राशि प्रदान की।

पीएम मोदी से मिले श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका ने सोमवार को अपनी साझेदारी का विस्तार करने के लिए एक भविष्यवादी दृष्टिकोण अपनाया है। दोनों देशों ने जल्द ही एक रक्षा सहयोग समझौते को पूरा करने का संकल्प लिया, इसी के साथ बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइनों की स्थापना करके ऊर्जा संबंधों को बढ़ाने का फैसला किया। दरअसल, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके इस समय भारत के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। दोनों देश के नेताओं ने मुलाकात के दौरान व्यापक वार्ता की और कई निर्णय लिए।

दोनों देशों की कनेक्टिविटी पर जोर

मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी के लिए निवेश-आधारित विकास और कनेक्टिविटी पर जोर देने का फैसला किया और यह निर्णय लिया गया कि भौतिक, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी सहयोग के प्रमुख स्तंभ होंगे।

'मौत की धमकियों के बावजूद चिन्मय कृष्ण दास का केस लड़ूंगा'

प्रमुख बांग्लादेशी वकील रवींद्र घोष का बयान

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश के एक प्रमुख वकील रवींद्र घोष ने सोमवार को दावा किया कि जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास का प्रतिनिधित्व करने का फैसला करने के बाद से उन्हें मौत की धमकियां मिल रही हैं, लेकिन उन्होंने कसम खाई कि वह न्याय और अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। बता दें कि, रवींद्र घोष फिलहाल पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। वहीं पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार दास को निशाना बना रही है, क्योंकि वह हिंदुओं पर अत्याचारों के खिलाफ मुखर रहे हैं और सताए गए अल्पसंख्यक समुदाय को एकजुट कर रहे हैं।

मुझे हर दिन मिलती है जान से मारने की धमकी- घोष

कोलकाता के पास बैरकपुर से बोलते हुए, जहां वे इलाज के लिए आए हैं, रवींद्र घोष ने कहा, 'जिस दिन से मैंने घोषणा की है कि मैं चिन्मय कृष्ण दास के लिए लड़ूंगा, मुझे जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मुझे नियमित रूप से धमकी भरे कॉल और संदेश मिलते हैं, लेकिन यह मुझे अपना कर्तव्य निभाने से नहीं रोकेगा। मैं चिन्मय कृष्ण दास और अन्य हिंदुओं के साथ हुए अन्याय के खिलाफ लड़ना जारी रखूंगा।'

'मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा सकते हैं'

बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय के वकील ने बताया, मुझे पता है कि मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा सकते हैं, लेकिन इससे मैं नहीं रुकूंगा। मैंने जीवन भर अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैंने मुसलमानों के लिए भी मुकदमे लड़े हैं और उन्हें न्याय दिलाने में मदद की है। एक दिन मौत आएगी, लेकिन मैं लड़ाई जारी रखूंगा। रवींद्र घोष ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में हिंदू अल्पसंख्यकों द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालते हुए दुख जताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचार युद्ध के 'मूल सिद्धांतों' को पराजित करते हैं, जो पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान, अब बांग्लादेश के नागरिकों के साथ असमान व्यवहार को समाप्त करने के लिए लड़ा गया था।

ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले पर सीबीआई की जांच तेज

पांच आरोपपत्र किए दाखिल

एजेंसी । गुवाहाटी

असम में ऑनलाइन घोटाले को लेकर तेजी से जांच की जा रही है। इसी क्रम में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने असम में ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले के अलग-अलग मामलों में 18 आरोपियों के खिलाफ पांच और आरोपपत्र दायर किए हैं। गौरतलब है, असम में

हाल ही में 22 हजार करोड़ के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले का पुलिस ने भंडाफोड़ किया था। यहां लोगों से ऑनलाइन शेयर बाजार में पैसा लगाने और दो महीने में उसे दोगुना करने का वादा करके धोखाधड़ी की जा रही है।

16 लोगों पर शिकंजा

सीबीआई की गुवाहाटी इकाई ने 16 लोगों और दो कंपनियों अपफिटेट्स होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (यूएचपीएल) और ब्रह्मपुत्र संचय एंड विनियोग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (बीएसबीसीएसएल) पर आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी ने यूएचपीएल के खिलाफ आरोप लगाया है कि उसके निदेशक हेमेन रवा और मैनेजर शंकर साहा एक अवैध जमा योजना की साजिश में शामिल थे, जिसने झूठे वादा करके निवेशकों से धन की मांग की थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने कहा, 'उन्होंने निवेशकों को छह प्रतिशत या उससे अधिक के मासिक रिटर्न का वादा करके लुभाने के लिए नोटरीकृत स्टांप पेपर सहित भ्रामक तरीकों का इस्तेमाल किया। उन्होंने निवेशकों को धोखा दिया और अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए जमा राशि का दुरुपयोग किया।'

टीएमसी ने फिरहाद हकीम के मुस्लिम प्रतिशत वाले बयान से बनाई दूरी

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम की ओर से मुसलमानों की आबादी को लेकर की गई टिप्पणी पर विवाद जारी है। इस बीच, राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने सोमवार को उनके बयानों से दूरी बनाई है और अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए उनकी निंदा की है।

फिरहाद हकीम ने क्या बयान दिया था

यह विवाद तब शुरू हुआ जब शनिवार को हकीम का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह अल्पसंख्यक छात्रों को संबोधित कर रहे थे। वीडियो में हकीम कहते हुए सुनाई दिए थे कि पश्चिम बंगाल में हम (मुसलमान) 33 फीसदी हैं और देशभर में 17 फीसदी हैं। इसके बाद हकीम ने आगे कहा कि अल्पसंख्यकों को ऐसी स्थिति में आना चाहिए, जहां उनकी आवाज खुद ही सुन ली जाए और न्याय की मांग पूरी हो जाए। उन्होंने कहा था, हम संख्या में अल्पसंख्यक हो सकते हैं, लेकिन अल्लाह ने चाहा तो हम इतने मजबूत बन सकते हैं कि हमें न्याय के लिए मोमबत्ती लेकर रैली करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम एक ऐसा स्थान हासिल करेंगे, जहां हम सही मायनों में मजबूत होंगे। हालांकि, फिरहाद के इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं की जा सकी थी।

मस्जिद के अंदर जय श्री राम का नारा लगाना अपराध कैसे: सुको

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता से पूछा कि 'जय श्री राम' का नारा लगाना कैसे अपराध है। समाचार एजेंसी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें मस्जिद के अंदर कथित तौर पर 'जय श्री राम' का नारा लगाने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ कार्यवाही रद्द करने का आदेश दिया गया था।

शिकायतकर्ता हैदर अली सी एम द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई

करते हुए, जस्टिस पंकज मिथल और संदीप मेहता की पीठ ने पूछा, 'वे एक खास धार्मिक नारा या नाम चिल्ला रहे थे। यह कैसे अपराध है?' शीर्ष अदालत ने शिकायतकर्ता से यह भी पूछा कि कथित तौर पर मस्जिद के अंदर नारा लगाने वाले लोगों की पहचान कैसे की गई।

जनवरी में होगी अगली सुनवाई

जब पीठ ने पूछा, 'क्या आप मस्जिद में प्रवेश करने वाले वास्तविक व्यक्तियों की पहचान कर पाए हैं?' कामत ने कहा कि राज्य पुलिस को इसका स्पष्टीकरण देना होगा। पीठ ने याचिकाकर्ता से राज्य को याचिका की एक प्रति देने को कहा और मामले को जनवरी 2025 में सूचीबद्ध किया। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, 'यह समझ से परे है कि अगर कोई जय श्रीराम चिल्लाता है तो इससे किसी वर्ग की धार्मिक भावना कैसे आहत होगी।'

याचिका में 13 सितंबर के कर्नाटक हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसने मामले में दो लोगों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी थी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत से पूछा, 'आप इन प्रतिवादियों की पहचान कैसे करते हैं? आप कहते हैं कि वे सभी सीसीटीवी कैमरे में कैप्चर किए गए हैं।' कोर्ट ने आगे पूछा कि अंदर आए लोगों की पहचान किसने की? वकील ने कहा कि मामले में जांच अधूरी होने के बावजूद हाई कोर्ट ने कार्यवाही रद्द कर दी।

नक्सलवाद के नाम पर एक बूंद भी खून नहीं बहेगा: अमित शाह

एजेंसी । बीजापुर

नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील के अगले ही दिन गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बल के जवानों का हौसला बढ़ाने के लिए अग्रिम सुरक्षा चौकी (एफओबी) का दौरा किया। बीजापुर के गुंडम में इसी साल स्थापित जिस सुरक्षा चौकी पर शाह पहुंचे, वहां पिछले साल तक नक्सली ट्रेनिंग लेते थे। नक्सलियों ने यहां अपने शहीदों के लिए स्मारक बना रखा था, जिस स्थान पर अब तिरंगा फहराता है। गुंडम में अमित शाह ने स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात की और स्कूल व जनवितरण प्रणाली की दुकान का

भी निरीक्षण किया। शाह ने सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धता के बारे ग्रामीणों से जानकारी ली। बाद में सुरक्षा बल के जवानों के साथ मुलाकात के दौरान शाह ने नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों का दिल जीतने के लिए प्रयास करने को कहा।

नक्सली हिंसा में मारे गए लोगों से मिले शाह

शाह ने कहा कि सशस्त्र नक्सलियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई करना जरूरी है, लेकिन ग्रामीणों में से आगे कोई नक्सली नहीं बने यह भी उतना ही जरूरी है। शाह ने जवानों को कहा कि उन्हें समय निकालकर बच्चों की पढ़ाई में मदद करने और कैंप में उपलब्ध डिस्पेंसरी का इस्तेमाल ग्रामीणों के इलाज के लिए करने के साथ ही सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में स्थानीय लोगों को जागरूक करने को भी कहा।

भाजपा के पास कोई विजन नहीं : मनीष सिसोदिया

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जंगपुरा से टिकट मिलने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। सोमवार को उन्होंने हरि नगर में भूमिया माता मंदिर के पास अपना चुनाव कार्यालय भी खोल लिया है। इस मौके पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि हम पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा है, जिसके पास दिल्ली के लिए ना तो कोई टीम है और ना ही कोई विजन है। आप का कहना है कि जंगपुरा के इस चुनाव कार्यालय से चुनाव प्रचार से संबंधित सारी गतिविधियां संभाली जाएंगी। सिसोदिया अपने कार्यालय

में रोजाना बैठेंगे और क्षेत्र के लोगों से मुलाकात कर उनसे बात करेंगे, उनकी समस्याएं भी जानेंगे। साथ ही विधानसभा क्षेत्र में वह पार्टी कार्यकर्ताओं और वॉलेंटियर्स के साथ जनसंपर्क भी करेंगे। मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है क्योंकि हमने दस साल में काम किए हैं।

आजम और अब्दुल्ला की जमानत याचिका पर यूपी सरकार को 'सुप्रीम' नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली/लखनऊ

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान द्वारा दायर याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा। याचिका में इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें मशीन चोरी के एक मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। खान और उनके बेटे ने हाईकोर्ट के 21 सितंबर के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है।

क्या है मामला?

बता दें, खान, उनके बेटे और पांच अन्य के खिलाफ 2022 में आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि उन्होंने सड़क साफ करने वाली मशीन चुरा ली थी, जिसे नगर पालिका परिषद, रामपुर जिले ने खरीदा था। यह भी आरोप लगाया गया कि यह मशीन बाद में खान के रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय से बरामद की गई थी। उत्तर प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वकार अली खान नामक व्यक्ति ने इस संबंध में 2022 में रामपुर के कोतवाली में सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।